भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 250 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 04 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान

प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

## लखनऊ : दारुलशफा की लिफ्ट में फंसे केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर, मची अफरातफरी

**लखनऊ (एजेंसी)।** राजधानी लखनऊ में स्थित दारुलशफा में शुक्रवार को केन्द्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर कुछ समर्थकों के साथ लिफ्ट में फंसे रहे। उन्हें प्रेसवार्ता के लिए कक्ष संख्या 111 में जाना था। लिफ्ट में उनके फंसने की सूचना से अफरातफरी मच गई। सांसद ने बताया कि लिफ्ट दूसरे तल पर फंस गई। दो बार यह भूतल तक आई और फिर ऊपर चल गई, लेकिन लिफ्ट के दरवाजे नहीं खुले। उधर, इस घटना की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में मंत्री के समर्थक भूतल पर इकट्ठा हो गए। जब दूसरी बार लिफ्ट नीचे आई तो बाहर खड़े समर्थकों ने किसी तरह ऑपरेटर की मदद से दरवाजे खोले। केंद्रीय मंत्री जब लिफ्ट में पहुंचे थे तो वहां कोई संचालक भी नहीं था। वहां मौजूद लोगों ने केंद्रीय मंत्री के लिफ्ट में फंसने की वजह वोल्टेज कम होना बताया। इस मामले में मंत्री कौशल किशोर ने बताया कि लिफ्ट पुरानी हो चुकी है। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत भी की गई थी। इसको बदलने की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है।अनुरक्षण इकाई के अधिशासी अभियंता प्रथम एसएस सिंह दारुलशफा की लिफ्ट में तकनीकी खराबी आ गई थी। जिसकी वजह से करीब 10 मिनट लिफ्ट फंस गई। तुरंत सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करते हुये मंत्री सहित सभी लोगों को बाहर निकाला गया।

# यूपी में डेंगू-बुखार से मौत पर सीएम योगी गंभीर

## बोले-एक-एक मरीज के उपचार की व्यवस्था की पड़ताल करें अधिकारी

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कहा है कि वह इसकी रोकथाम के लिए सभी जरूरी कदम उठाएं। हर जिले के एक-एक मरीज की सेहत का ख्याल रखा जाए। साथ ही कोविड के लिए आरक्षित ऑक्सीजन की सुविधा वाले आइसोलेशन बेड्स को डेंगू सहित अन्य वायरल बीमारियों के इलाज के लिए उपलब्ध रखा जाए। सीएम ने शुक्रवार को बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों के दौरे पर निकलने से पहले टीम-9 के साथ बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित अंतराल पर परिजनों को बीमार के सेहत की अपडेट दी जाए। एक-एक मरीज के उपचार की व्यवस्था की पड़ताल करें, व्यवस्था सुधार के लिए अविलंब सभी जरूरी कदम उठाएं।

प्रदेश के कई जिलों में डेंगू और मलेरिया के साथ वायरल बुखार का प्रकोप बढ रहा है। अब ऐसे सभी पीड़ितों की कोविड जांच कराई जाएगी। आरटीपीसीआर जांच के साथ ही कुछ मरीजों के सेंपल पुणे स्थित नेशनल वायरोलॉजी लैब भी भेजे जाएंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोरोना कहीं किसी नए रूप में पांव तो नहीं पसार रहा। मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए डेंगू और वायरल समेत दूसरी बीमारियों पर लगाम लगाने के लिए कई इंतजाम किए जा रहे हैं। वहीं कोरोना की चौतरफा रोकथाम को लेकर भी सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं।फिरोजाबाद, मथुरा, आगरा आदि जिलों में डेंगू और वायरल बुखार के साथ ही मथुरा में स्क्रब टाइफस के मामले बीते कुछ दिनों में सामने आए हैं। वहां के हालात की गंभीरता को देखते हुए सीएम ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को तत्काल वहां जाकर कैंप करने के आदेश दिए हैं। प्रमुख सचिव इन जनपदों के एक-एक मरीज के उपचार की व्यवस्था की पड़ताल करने के साथ ही सभी व्यवस्था पर अपनी पैनी नजर रखेंगे।

सीएम ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए पूरे प्रदेश में पांच सितंबर से स्वच्छता-सैनीटाइजेशन का वृहद अभियान शुरू किया जाए। जिलों के लिए नोडल अधिकारी तय कर दिए गए हैं। वह तत्काल जिम्मेदारी संभाल लें। यह अधिकारी बाढ़ व अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की भी मॉनीटरिंग करें।

## यूपी में कांग्रेस की सरकार बनाने में जुटें पार्टी कार्यकर्ता : प्रियंका गांधी

**लखनऊ (एजेंसी)।** कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गर्व होना चाहिए कि वे एक ऐसी सरकार से लड़ रहे हैं जो तानाशाही की पराकाष्ठा पर उतारू है। पार्टी कार्यकर्ता वर्ष 2022 में अपनी सरकार बनाने में जुटें। अब केवल छह महीने बचे हैं। इस दौरान कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। यह बातें कांग्रेस महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने कहीं। वह शुक्रवार को पार्टी के जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों को वर्चुचअ माध्यम से संबोधित कर रही थीं। उन्होंने संभल, श्रावस्ती, रामपुर, कन्नौज प्रयागराज, भदोही व गोरखपुर के संगठन पदाधिकारियों से संवाद किया और उनसे 2022 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने की अपील की। उन्होंने कहा कि 30 साल से संगठन की कमजोरी थी। प्रभारी बनने के बाद संगठन को मजबूत बनाने का अभियान शुरू किया, क्योंकि पहले जब भाजपा के नेता और कार्यकर्ता आवाज उठाते हैं तो हम जवाब नहीं दे पाते थे। यह प्रशिक्षण शिविर इसलिए भी महत्वपूर्ण है, ताकि कार्यकर्ता इसके माध्यम से एक दूसरे को जानें और उनमें दोस्ती व सहयोग बढ़े। प्रदेश में आज एक ऐसी सरकार है जो लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है। प्रशिक्षण से पहले राष्ट्रीय सचिव व यूपी के सह प्रभारी तौकीर आलम ने तिरंगा फहराया व सभी कांग्रेस जनों ने राष्ट्रगान गाया। इस दौरान प्रदेश मुख्यालय से आए हुए प्रशिक्षकों ने बहुत बारीकी से विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। तौकीर आलम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की यही प्रशिक्षित सेना सपा, बसपा और तानाशाह भाजपा सरकार की कमियों उजागर करेगी, जिससे 2022 में कांग्रेस की सरकार बनेगी। प्रशिक्षक और प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा कि बीजेपी शुरुआत से ही जनभावना के विरोध में रही है।

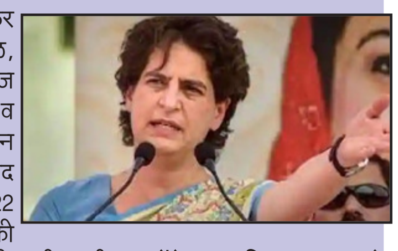

# गृहमंत्री अमित शाह से मिले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद, चुनावों पर हुई चर्चा

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार शाम नई दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मौर्य ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने ट्विटर हैंडल पर साझा कर खुद ही जानकारी भी दी है। उन्होंने लिखा कि नई दिल्ली में देश के गृहमंत्री और अद्वितीय संगठनकर्ता अमित शाह से भेंटकर प्रदेश की राजनीतिक स्थिति और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसी महीने यूपी कैबिनेट में प्रस्तावित विस्तार और बदलाव के बीच मौर्य के शाह से मुलाकात ने कई अटकलों को जन्म दे दिया है। आज नई दिल्ली में देश के यशस्वी गृह मंत्री एवं अद्वितीय संगठनकर्ता तथा दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के पर्याय आदरणीय श्री अमित शाह जी से आत्मीय भेंटकर प्रदेश की राजनीतिक स्थिति एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया।

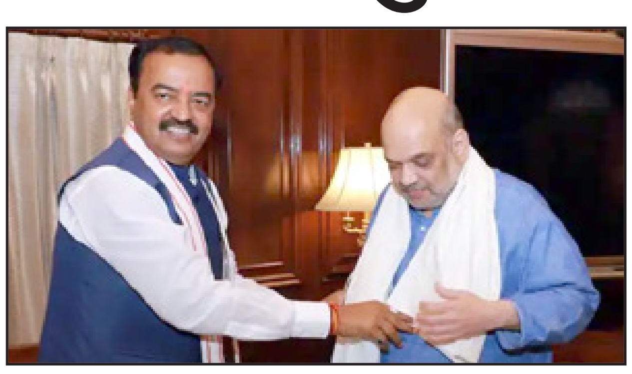

यूपी में अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा पूरी ताकत के साथ जुट गई हैं। विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियां अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। सपा ने भी इस बार 400 पार का नारा दिया है तो वहीं भाजपा भी 300 से ज्यादा सीटें पाने का दावा कर रही है। उप मुख?यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा को लेकर एक अलग ही दावा किया था। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में 2024 के लोकसभा चुनाव की लड़ाई होने वाली है क्योंकि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है। यूपी के चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़े जाने की बात कहते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव बाद मुख्यमंत्री का फैसला केंद्रीय नेतृत्व और निर्वाचित विधायक करेंगे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में 2017 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले में 2022 में उनकी भूमिका को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि वह अध्यक्ष नहीं हैं लेकिन 2022 में उनका दायित्व अध्यक्ष से कम नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, हम उप-मुख?यमंत्री हैं, योगी जी मुख?यमंत्री, स?वतंत्रदेव सिंह प्रदेश अध्यक्ष और डॉक्टर दिनेश शर्मा उप-मुख?यमंत्री के रूप में हैं। इस लिहाज से भाजपा की टीम 2017 की तुलना में ज्यादा समर्थ है। मौर्य ने दावा किया कि भाजपा 2022 में 300 का आंकड़ा पार करेगी।

## यूपी में 80 प्रतिशत लोगों को फ्री में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल देगी योगी सरकार

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी सरकार अब दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल निःशुल्क देगी। बैट्री चलित यह मोटराइज्ड ट्रासाइकिल उन दिव्यांगजनों को दी जाएगी जिनकी दिव्यांगता 80 प्रतिशत से अधिक होगी। हर लोकसभा क्षेत्र में करीब सौ मोटराइज्ड ट्रासाइकिल वितरित की जाएंगी। यह जानकारी प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मंत्री अनिल राजभर ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि इस बारे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की थी और अब उनकी अनुमति भी मिल गई है। इसी सितम्बर से विधान सभा क्षेत्र वार दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित करने के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए हर विकास खण्ड में पंजीकरण करने के लिए भी विशेष शिविर लगेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद दिव्यांगजन विकास खण्ड कार्यालय में सहायक उपकरण पाने के लिए इन शिविरों में पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अलावा जिला स्तर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी के कार्यालय में भी पंजीकरण करवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी दिव्यांगजनों को पिछले तीन वर्षों में प्रदेश के दिव्यांगजन से सहायक उपकरण की कोई सुविधा नहीं मिल सकी है, ऐसे दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे।

मंत्री ने बताया कि विकास खण्ड स्तर पर दिव्यांगजनों के चिन्हांकन का काम पहले से चल रहा है और अस्सी प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध करवाने के लिए उन्हें चिन्हित कर भी लिया गया है। पहले प्रदेश में दिव्यांगता की सिर्फ सात श्रेणियां ही थीं। मगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जब दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बना तो उसी समय से दिव्यांगता की 21 श्रेणियां बना दी गयीं। सात श्रेणियों की दिव्यांगता में प्रदेश में 43 लाख दिव्यांगजन चिन्हित किए गए थे। मगर अब 21 श्रेणियों की दिव्यांगता में एक करोड़ से अधिक दिव्यांगजन चिन्हित किये जा चुके हैं।

## यूपी के 15 जिले बाढ़ से प्रभावित, सीएम योगी ने आईएएस अफसरों को चार से पांच दिन तक कैंप करने के दिए निर्देश

**बहराइच, गोण्डा (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश के 15 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के साथ बीमारियां बढ़ रही हैं। इसे लेकर एक-एक सीनियर आईएएस अधिकारी को प्रदेश के हर जिले में नोडल अधिकारी के रूप में तैनात करने के लिए उन्होंने आज ही निर्देश जारी किए हैं। अधिकारी हर जिले में चार से पांच दिनों तक कैम्प करेंगे और व्यवस्था देखेंगे। शुक्रवार अपराह्न बहराइच के महसी तहसील के राजीचौराहा स्थित राजा भैया मेमोरियल इंटर कॉलेज के सामने मैदान में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि बाढ़ प्रभावित गांवों के राहत सामग्री वितरित करने के पहले ही निर्देश दिए जा चुके है। आपदा से जनहानि होने पर चार लाख व मकान क्षतिग्रस्त होने पर 95 हजार रुपये मुआवजा भी दिए जाने की व्यवस्था है। इसके पहले उन्होंने महसी, शिवपुर व मिहींपुरवा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया और बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की। इसके बाद वह गोण्डा के लिए रवाना हो गए। गोण्डा के उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के बरौली बाबामठ पर हवाई सर्वेक्षण करने के बाद मीडिया से रूबरू मुख्यमंत्री ने कहा कि समय रहते ड्रेनेज के माध्यम से नदियों को जोड़ दिए जाने से बाढ़ का प्रभाव कम रहा है।

## अपने-अपने गांवों में 200 फलदार पौधे लगाएं सभी ग्राम प्रधानः सांसद मेनका

**सुलतानपुर(एजेंसी)।** सांसद मेनका संजय गांधी ने अपने दौरे के दूसरे दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुड़वार में नवनिर्मित रैन बसेरा, सामुदायिक शौचालय सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण किया। कहा कि वे सांसद से बढ़कर मां के रूप में जनता की सेवा करने आतीं हैं। उन्होंने दूबेपुर, कुड़वार, धनपतगंज, कूरेभार ब्लाक के आधा दर्जन से अधिक गांवो में जनता से सीधा संवाद किया। ग्राम भरथी सरैया में विद्यालय भवन का, ग्राम मझौवा में सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण और जनसंवाद किया। सांसद ने संसदीय क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गिरी,भाजपा जिला अध्यक्ष डा.आरए वर्मा,ब्लाक प्रमुख शिव कुमार सिंह और मनफूल सिंह के साथ भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक नेता रामचन्द्र मिश्रा द्वारा गोद लिए गये कुड़वार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेन बसेरा,सार्वजनिक इज्जत घर का लोकार्पण किया।

## जिन्हें सुनाई थी सजा, आज बने जान के दुश्मन, देश छोड़कर भाग रही हैं अफगान महिला जज

**काबुल (एजेंसी)।** जो कभी न्याय की देवियां थीं, आज अपनी जान बचाने के लिए देश छोड़कर भाग रही हैं। यह हालात हैं अफगानिस्तान के, जहां महिला जज अलग देशों में शरण लेने को मजबूर हैं। इन महिला जजों की संख्या 250 है। असल में तालिबान की सरकार बनने के बाद यहां पर तमाम कैदियों को जेल से रिहा कर दिया गया है। इनमें वे तालिबान लड़ाके भी हैं, जिन्हें इन महिला जजों ने सजा दी थी। इनके जेल से छूटने के बाद महिला जजों को चिंता सताने लगी है कि कहीं वो इन्हें अपना शिकार न बना लें। अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद से ही बड़ी संख्या में लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं। इनमें महिला जजों की संख्या भी काफी है। कुछ तो पहले ही देश छोड़कर भाग चुकी हैं। वहीं कुछ अभी भी यहां फंसी हुई हैं और यहां से निकलने की जुगत लगा रही हैं। महिला जजों और इन्हें बचाने में लगे एक्टिविस्ट्स ने इस बात की जानकारी दी है।

गौरतलब है कि तालिबान ने शासन में आने के बाद से महिलाओं को काम पर जाने से रोक दिया है। हालांकि उसने महिला अधिकारों की रक्षा का दावा किया है, लेकिन इस बारे में अभी कोई कदम नहीं उठाया गया है। इस बात ने वहां पर तमाम कामकाजी महिलाओं को असुरक्षा की भावना से भर दिया है।

अफगानिस्तान में न्याय के क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं पहले से ही निशाने पर रही हैं। इसी साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट की दो महिला जजों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब जबकि देश भर में तमाम अपराधियों को जेल से छोड़ दिया गया है तो न्याय क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं को जिंदगी का खतरा महसूस होने लगा है। ऐसे ही खतरे का सामना करने के बाद एक अफगान महिला जज ने यूरोप की शरण ले ली है। इस महिला जज ने बताया कि करीब चार-पांच तालिबान लड़ाके उनके घर पर आए थे। यहां उन्होंने पूछा कि महिला जज कहां है? यह वो तालिबान लड़ाके थे, जिन्हें मैंने जेल में डाला था।

## बच्चों के लिए आ रही एक और वैक्सीन, दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण की अनुमति मिली

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बच्चों के लिए एक और कोरोना टीका जल्द आ सकता है। इसका नाम है कॉर्बेवैक्स। बायोलॉजिकल ई को इसके दूसरे और तीसरे चरण के मानवीय क्लीनिकल परीक्षण के लिए मंजूरी मिल गई है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने शुक्रवार को बताया कि पांच साल से ऊपर के बच्चों और वयस्कों पर इसके परीक्षण की अनुमति दी गई है। इसने बताया कि कॉर्बेवैक्स का विकास जैव प्रौद्योगिकी विभाग और इसकी पीएसयू जैव प्रौद्योगिकी उद्योग शोध सहायक परिषद (बीआईआरएसी) के सहयोग से किया जा रहा है। पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के आंकड़ों की विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की समीक्षा के बाद भारत के औषधि महानिरीक्षक ने तीसरे चरण के परीक्षण की मंजूरी दी है। डीबीटी ने कहा कि बायोलॉजिकल ई को एक सितंबर 2021 को कॉर्बेवैक्स टीके के, बच्चों एवं वयस्कों पर दूसरे एवं तीसरे चरण के परीक्षण की मंजूरी मिल गई। बायोलॉजिकल ई लिमिटेड की प्रबंध निदेशक महिमा डाटला ने कहा कि मंजूरी मिलने के बाद इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के समक्ष दायर करने में सहयोग मिलेगा। अभी तक जॉयडस कैडिला के कोविड-19 टीके जायकोव-डी को देश में 12 से 18 वर्ष तक की उम्र के किशोरों को लगाने की आपातकालीन मंजूरी औषधि नियामक से मिली है। डीसीजीआई ने जुलाई में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को दो से 17 वर्ष तक की उम्र के बच्चों में कुछ स्थितियों में कोवोवैक्स टीके के दूसरे/तीसरे चरण के परीक्षण की अनुमति दी थी। गौरतलब है कि तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। उधर स्कूल भी लगातार खोले जा रहे हैं। ऐसे में बच्चों के लिए कोरोना टीकों के ज्यादा से ज्यादा विकल्प सामने आने से उनकी सुरक्षा के लिए बेहतर होगा।

## खबर संक्षेप

### पंचायत सचिव ना होने से गांव का विकास कार्य बाधित

**सहसों।** नवसृजित विकासखण्ड सहसों की 45 ग्राम पंचायतों में गत दिनों ब्लॉक गठन के पश्चात पहली बार पंचायत का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें गत 25 मई को सभी ग्राम प्रधानों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली है। परन्तु शपथ ग्रहण के लगभग चार माह बाद भी अभी तक ग्राम सभा चिरौरा व सरायहुसैना गांव में पंचायत सचिव के न होने से विकास कार्य बाधित है। जहां एक और सरकार ग्राम पंचायतों में विकास के लिए नित नए नए योजनाएं ला रही है तथा लोगों को विकास की नई धारा से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। वहीं पर ग्रामसभा चिरौरा तथा सराय हुसैना में अब तक पंचायत सचिवों के न होने से विकास कार्य अवरुद्ध है। इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी दिव्या सिंह ने बताया कि पंचायत सचिव की नियुक्ति के परिपेक्ष में उच्च अधिकारियों को अनुमोदन हेतु भेजा गया है इसके लिए रिमाइंडर भी भेज दिया गया है जैसे ही प्रत्युत्तर प्राप्त होगा उन गांव में पंचायत सचिव की नियुक्ति हो जाएगी और विकास कार्य शुरू करा दिया जाएगा। अब देखना यह है कि कब तक इन गांवों की सरकार में ग्राम सचिव नियुक्त होते हैं ताकि ग्राम सभाओं का जल्द से जल्द विकास का कार्य शुरू हो सके।

# सीडीओ ने करछना ब्लाक, अस्पताल व भरहा गांव का किया निरीक्षण

## निरीक्षण में मिली खामियां दी हिदायत, गांव में आवास, पंचायत भवन व शौचालयों की जांची हकीकत

ग्राम पंचायत भरहा गांव में विकास कार्यों का निरीक्षण करते सीडीओ।

अस्पताल का निरीक्षण करते समय सीडीओ

ब्लाक में मनरेगा आफिस में निरीक्षण करते सीडीओ

**अखंड भारत संदेश**

**करछना।** मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज सिपू गिरि शुक्रवार को लगभग पांच घंटे में करछना विकास खंड, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना एवं विकास खंड के ग्राम पंचायत भरहा गांव में करायें गयें विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने दोपहर एक बजे वह करछना ब्लाक मुख्यालय पहुंच कर विकास कार्यों की फाइलों की जांच पडताल की, सबसे पहले उन्होंने आवास आवंटन के लाभार्थियों की सूची पात्र व अपात्रो की शिकायत पर फाइलों को खगाला और खुद कम्प्यूटर आपरेट कर संचाई से अवगत हुए और कमियां देख फटकार लगाई ।उसके बाद मनरेगा विभाग सेल का निरीक्षण किया और लम्बित मनरेगा मजदूरों के भुगतान पर नाराजगी जताई । उसके बाद महिला समूह के आफिस में निरीक्षण कर कमियो के दूरुस्थ करने की हिदायत दी ।और ब्लाक परिसर में घूम कर साफ सफाई की बारीकियों को नजदीक से देखा और सफाई कर्मियों को सचेत किया । ब्लाक परिसर में मिली खामियां और गांव में प्रधानो के साथ, मनरेगा मजदूरों के समय से भुगतान विकास कार्य में पारदर्शिता से काम करने का निर्देश दिया ।

### ब्लाक के भरहा गांव में विकास कार्यों का स्थलीय किया निरीक्षण

**करछना।** सबसे अंत में सीडीओ ने भरहा गांव में आवास, शौचालय,पंचायत भवन व उनके पात्रों के घर जाकर हकीकत खगाली, सबसे पहले दलित बस्ती में जाकर निरीक्षण किया बन रहा आवास की समीक्षा की, और कयी ऐसे और दलित परिवार के लोगों के घरों के अंदर जाकर निरीक्षण किया की पात्र होते हुए भी उन्हे आवास से वंचित रहे हैं, उन्हे आवास दिए जाने का आश्वासन भी दिया ।उसके बाद पंचायत भवन निर्माण सामुदायिक शौचालय तथा राशन आवंटन की दूकान पर का निरीक्षण किया और समय-समय गरीबों को खाद्य पदार्थों का वितरण किये जाने का निर्देश दिया। पांच घंटे से ज्यादा समय तक हुए निरीक्षण के दौरान । ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, खंड विकास अधिकारी जितेन्द्र कुमार,एडीओ आई एस बी, अल्प नरायन सिंह, मनीष शुक्ला, एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा, सभी पंचायत सचिव, प्रधान भरहा जगजीवन लाल, रोजगार सेवक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

### सीडीओ ने सीएससी करछना में नदारत स्टाफ पर भड़के

**करछना।** सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना में जांच के दौरान कयी खामियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया, सबसे पहले उपस्थित रजिस्टर देखा तों अधीक्षक समेत कयी स्टाप गायब मिलें, भर्ती वार्ड में प्रशव महिला से खाने पीने की जानकारी जानी तों पता चला कि भर्ती महिलाओं को चाय के अलावा कुछ नहीं दिया गया है, जिसका मीनू बोर्ड पर अंकित नहीं किया गया था, फटकार लगाई और कार्रवाई करते हुए स्पष्टीकरण देने को कहा ।तथा मारपीट कर घायल ईलाज हेतु आयें मरीजों का हालचाल पूछा ।

## न्यूज झरोखा

### नौजवानों को रोजगार से जोड़ना ही मेरा उद्देश्य : एसबी यादव

**प्रतापपुर।** विकासखंड के वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ सपा नेता एसबी यादव विगत कई महीनों से प्रतापपुर के विभिन्न गाँवो में लगातार जनसंपर्क कर लोगो को समाजवादी पार्टी के नीतियों को लोगो को बता रहे है। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने एक गाँव में ग्रमीणों से संवाद में कहा कि किसी भी समाज के हर शख्स का एक ही सपना एक ही उद्देश्य होना चाहिए। कि किस तरह सर्वसमाज का विकास हो। इसके लिए बच्चों की शिक्षा, रोजगार,व्यवसाय, संस्कृति को बेहतर करने की दिशा में प्रयास करना होगा। तभी देश व समाज की भलाई होगी। एस.बी ने कहा कि सर्वसमाज को आगे बढ़ाने में महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण है। बच्चो की भविष्य बनाने मे मां का महत्वपूर्ण रोल होता है। हमारी हमेशा से यही सोच रही है ।कि हर मां के सपनों को साकार करना छात्रों नौजवानों को रोजगार से जोड ? ही मेरा उद्देश्य है ।यदि आप लोगों ने मुझे अवसर दिया। तो रोजगार के लाले नहीं पडेंगे न कही पलायन करना पडेगा। अपने क्षेत्र मे रोजगार अपने क्षेत्र में काम मिलेगा। बन्द पडी उद्योगो को चलाने का काम करूंगा। मैं यह बचन देता हू।

सपा नेता एसबी यादव जनसंपर्क के दौरान लोगों से मिलते

# करंट की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

**अखंड भारत संदेश**

### कूलर में उतर रहे विद्युत करंट की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

**सहसों।** कूलर में उतर रहे विद्युत करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में एस आर एन ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की सूचना मिलते ही घर व गांव में कोहराम मच गया। युवक कारपेन्ट्री का कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थरवई थाना क्षेत्र के सेमरी गांव निवासी कृष्ण चन्द्र विश्वकर्मा 40 वर्ष पुत्र छोटेलाल विश्वकर्मा जो बढ़ई का कार्य करता था। शुक्रवार सुबह छप्परनुमा बने घर में रखे कूलर को किसी प्रकार छू लिया। कूलर में उतर रहे विद्युत करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। वही पत्नी मनोरमा देवी खेत में कार्य करने गई हुई थी। बच्चे सुबह स्कूल जाने की तैयारी कर ही रहे थे। कि अचानक देखा कि करंट की चपेट में आने से कृष्ण चन्द्र बेहोश पड़ा हुआ है। शोर सुनकर गांव व परिवार के अन्य सदस्यों ने आनन-फानन में उसे प्रयागराज स्थित स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिए। थरवई थाने की पुलिस को जैसे ही सूचना मिली उसने लिखा पढ़ी करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के तीन बच्चे हैं शुभम 10 , कुमारी खुशी 8 व शिवम अभी 5 वर्ष का है। मौत की सूचना मिलते ही पत्नी मनोरमा देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा है।

### दिव्यांगों की मदद हेतु प्रधान द्वारा कैंप का आयोजन जंघई कालोनी में आज

**जंघई।** सेमरी जंघई प्रधान प्रमोद गुप्ता द्वारा गाँव के दिव्यांगों की मदद हेतु एक कैंप का आयोजन प्रधान कार्यालय जंघई कालोनी पर शनिवार को किया गया है।जिसमें भी 60 साल के ऊपर के जो बृद्ध है जिनको सुनाई या दिखाई ना देता हो मुँह में पूरा दांत ना हो जो एकदम से चल फिर ना पाते हो या दिव्यांग भाई या बहन हो सभी लोग अपना आधार कार्ड एक फोटो शनिवार दोपहर 2 बजे तक अर्जेंट प्रधान कार्यालय पर जमा करें जिससे ब्लॉक पर फार्म जमा करवाकर लोगों का रजिस्ट्रेशन करवाकर जरूरतमंदों को कान की मशीन, चश्मा, हाथ छड़ी ट्राई साईकिल मिल सके एवं दांत लगवाया जा सके।दिव्यांगों को अपना दिव्यांग सर्टिफिकेट लाना अनिवार्य है। सभी फार्म प्रधान सेमरी कार्यालय पर पहले आयें पहले पाये के आधार पर जमा किया जाएगा।

# बीएड छात्र अरुण के जज्बे को सलाम...

## दिन में प्राईवेट स्कूल में पढ़ाने व रात में पेट्रोल पंप पर नौकरी कर निभा रहा घर की जिम्मेदारी

**अखंड भारत संदेश**

**घूरपुर।** देश मे बहुतों को देखा गया हैं जों हल्की सी भी विपदा आने पर टूट जाते हैं ऐसी दशा मे या तो लोग आत्महत्या करते हैं या फिर नशा को अपना जीवन साथी बनाते हैं दोनों दशाओं मे व्यक्ति की किसी भी समस्या का समाधान तो नहीं होता किन्तु अनेकों समस्याओं का पुनरागमन अवश्य होता हैं किन्तु इसके उलट समाज मे अधिकांश युवा ऐसे भी हैं जिनके सामने मुसीबतों की लाख चट्टाने हों किन्तु वह अपने हुनर, आत्मविश्वास, संघर्ष से सबको तोड़ते हुए स्वयं के जीवन को प्रकाशमान बनाते हुए औरों के लिए प्रेरणास्त्रोत का भी काम करते हैं उक्त बातें घूरपुर थाना क्षेत्र के बोंगी गाँव के बीएड छात्र अरुण कुमार पाल पर चरितार्थ होती हैं। अरुण के पिता अशोक कुमार पाल पेशे से मजदूर हैं जिनका अप्रैल 2016 में एक मार्ग दुर्घटना मे काफी बुरी तरह से चोटे आयीं थी जिसके बाद से ही घर की सारी जिम्मेदारियां अरुण के कंधो पर आ गयी ऐसी परिस्थिति मे अरुण ने हालात से लड़ने की सोची राजनीति विज्ञान से परास्नातक की तालीम लेते हुए अपने दोनों के हाथ भी पीलें किये साथ ही वर्तमान मे जिले के ही एक प्राइवेट कालेज से बीएड कर रहें हैं। छात्र अरुण के लिए ये सब इतना आसान नहीं था किन्तु अरुण ने हिम्मत नहीं हारी वह दिन मे चौकठा स्थित श्री राजाराम इंटर कालेज मे बच्चों को पढ़ाते हैं साथ ही रात्रि मे मनकवार के समीप इंदर ऑटो मोबाइल एजेंसी पर तेल मापने का कार्य करते हैं। अरुण के इस प्रयास को माता पिता सहित क्षेत्र अन्य लोग काफी सराहना करते हैं। अरुण का व्यक्तिगत मानना हैं जीवन मे कोई भी चुनौती मानव के आत्मविश्वास एवम धैर्य के समक्ष बौनी ही होती हैं बशर्ते युवा वर्ग अपना ध्यान भटकाने के बजाय संघर्ष को अपना साथी बनाएं। 25वर्षीय युवा अरुण पाल लोगों को नशा एवम आत्महत्या से दूर रहने की भी अपील करते हैं उनका मानना हैं इनसे किसी भी समस्या का समाधान नहीं होनें वाला हैं।

स्कूल में पढ़ाते व पेट्रोल पंप पर पेट्रोल देता बीएड छात्र अरूण कुमार पाल

# सरकार को लगा रहे लाखों रुपये का चूना और खनन माफिया हो रहे मालामाल

**अखण्ड भारत संदेश**

**माण्डा।** प्रयागराज थाना माण्डा अंतर्गत भारतगंज चौकी क्षेत्र के बंगलिया पहाड़ी पर इन दिनों धड़ल्ले से अबैध खनन का कारोबार बेखौफ खनन माफियाओं द्वारा किया जा रहा है। सूत्रों पर गौर करें तो इस अबैध कारोबार में पुलिस की मिली भगत है। इस अबैध खनन से प्रदेश सरकार को प्रति दिन लाखों रुपये का चूना लगा रहा है। गौरतलब हो कि भारतगंज पुलिस चौकी के पास बंगलिया पहाड़ी पर अबैध खनन का कारोबार बेखौफ धड़ल्ले से चल रहा है। सूत्रों की माने तो इस अबैध खनन में खनन माफियाओं के साथ पुलिस की मिलीभगत है। माण्डा पुलिस इन माफियाओं से अच्छा खासा रुपया वसूल करती है। भारत गंज पुलिस चौकी के ठीक सामने बंगलिया पहाड़ी है, उसी पहाड़ी पर अबैध खनन हो रहा है। इसके अतिरिक्त पूरे दिन पुलिस के आंख के सामने ओवरलोड ट्रकें निकल रही हैं, लेकिन पुलिस मौन है। अबैध कारोबार से एक ओर जहाँ खनन माफिया माला माल हो रहे वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार को प्रति दिन लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है।

खनन माफियाओं द्वारा कराया जा रहा अवैध खनन।

### अवैध खनन माफियाओं पर होंगी कार्रवाई : तहसीलदार

मामलें में तहसीलदार मेजा गजराज सिंह यादव ने कहा कि अवैध खनन माफियाओं की जांच करा कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दो दिन में अवैध खनन माफियाओं की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

### वित्तविहीन शिक्षकों का दल भदोही जनपद में आज करेगा शिरकत

**करछना।** प्रयागराज जनपद से शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल सपा स्नातक एम,एल,सी, डा, मान सिंह यादव के अगुवाई में जे. आर .एस .एन .पब्लिक स्कूल, इनार गांव ,डुहिया सेमराध,भदोही, शिक्षक सम्मान समारोह में भारी संख्या में पहुंचेगा। जहां सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के जिला इकाई के विशेष आमंत्रित सदस्य ननकेश बाबू ने जनपद के बुद्धिजीवियों नौजवानों से अपील की है कि भारी संख्या में समारोह स्थल पर पहुंच कर आयोजन को सफल बनाएं। अपील करता। पूर्व उप ब्लाक प्रमुख ननकेश बाबू यादव करछना, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी ,सैदाबाद, पूनम यादव राम कैलाश यादव, जेपी यादव धनू पुर,अमर बहादुर, ,अभय राज यादव, बुधराम यादव, सीता शरण सिंह पुष्पराज, विनोद कुमार यादव, मान सिंह पटेल, नवीन शुक्ला, गोविंद प्रसाद, भुवाई लाल, अवधेश श्रीवास्तव, इंद्र बहादुर कुशवाहा, महेंद्र द्विवेदी, सी पी मिश्रा, कमल चंद संतोष यादव , प्रेमचंद, सीबी यादव, शिव मोहन पटेल, बालेंदु गौतम, महेंद्र द्विवेदी प्रमुख हैं।

# नवनियुक्त जिलाध्यक्ष भाजपा युवा गंगापार का विभिन्न स्थानों पर हुआ भव्य स्वागत

**अखंड भारत संदेश**

बेला बाजार में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गंगापार युवा मोर्चा नवीन सिंह पटेल का स्वागत करते।

**प्रतापपुर।** प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों बरूणा बाजार, उग्रसेनपुर, खानपुर, बरियारामपुर, नेदुला बाजार, चौका मोड़, वारी, बेला, सराय ममरेज, मनुपुर मे भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नवीन सिंह पटेल का जोरदार स्वागत भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया।अपने स्वागत से अभिभूत नवीन पटेल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया एवं सभी कार्यकताओं को आश्वासन देते हुए कहा कि आप लोगो के लिए मै हर पल उपलब्ध मिलूँगा एवं जनहित समस्याओं के निराकरण हेतु हर संभव प्रयास करूँगा।विभिन्न कार्यक्रमों में ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, भाजपा नेता पंडित विजय शर्मा, संजय बनकटा, अपनादल नेता कैप्टन करन सिंह, अवधेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, संदीप गुप्ता, बालकृष्ण तिवारी, मुन्ना सिंह, राजू सिंह, राजकुमार राजा मौर्या, एडवोकेट कुशलेश दुबे, मनोज दुबे, अंशु सिंह, विशाल राजपूत, आकाश दुबे, राज सोनी, महावीर मिश्रा, शुभम शुक्ला, सत्यम पटेल, आदित्य सोनी, दीपक केसरवानी, अच्छे लाल पटेल, सुमित तिवारी, विनय मिश्रा, अंशुमान शुक्ल, रजत सिंह, पंकज दुबे, श्यामधर शर्मा, उदयवीर प्रजापति, लाल पटेल, रुपेश तिवारी, मयंक मिश्रा, स्वेतंक मिश्रा, अभिषेक सिंह, अमन सिंह, अच्छेलाल पटेल, राधेमोहन पांडेय, मनीष दुबे, संतोष शुक्ला, आशीष सिंह, जितेश तिवारी, रोहित मिश्रा, मनोज पांडेय, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# नायब तहसीलदार के बिना ही चल रही फूलपुर तहसील

बार एसोसिएशन तहसील फूलपुर की बैठक में शामिल अधिवक्ता

### वर्षो से नहीं हुई नायब तहसीलदार की तैनाती

### बार एसोसिएशन जिलाधिकारी से मिलकर करेगा समस्याओं के निराकरण की मांग

**अखंड भारत संदेश**

**फूलपुर।** फूलपुर तहसील में शनिवार को जिलाधिकारी के संभावित दौरे को देखते हुए बार एसोसिएशन की एक बैठक शुक्रवार को तहसील परिसर में सम्पन्न हुई। जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं ने तहसील से सम्बन्धित मुख्य समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराने का निर्णय लिया। बैठक में तहसील की प्रमुख समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया की तहसील में नायब तहसीलदार के चार पद हैं। इसमें से एक की भी तैनाती न होने से न्यायालयों और राजस्व वादों के मुकदमों में सिर्फ तारीख पर तारीख ही दी जा रही है। इसके चलते लोग परेशान हैं। इतना ही नहीं जिले के बड़े अफसर भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं महामंत्री एडवोकेट दिलीप कुमार आजाद ने कहा कि तहसील की प्रमुख समस्याओं पर उच्चाधिकारियों को ध्यान देना होगा अन्यथा की स्थिति में अधिवक्ता लामबंद होकर प्रशासन का विरोध करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि फूलपुर तहसील वर्षों से बिना नायब तहसीलदारों के ही चल रही है। नायब तहसीलदारों की कुर्सी खाली पड़ी होने के कारण पूरा कामकाज प्रभावित हो रहा है। परन्तु प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने शनिवार को जिलाधिकारी से मिलकर उपरोक्त समस्याओं के निराकरण के लिए पांच बिन्दुओं से सम्बन्धित ज्ञापन देने की बात कही। मौके पर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ ही अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता व किसान पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में होने वाले किसान महापंचायत में शामिल होने के लिए रवाना होते

# भाकियू की टीम मुजफ्फरनगर रवाना

**अखंड भारत संदेश**

### किसान महापंचायत में होंगे शामिल

**शंकरगढ़ (प्रयागराज)।** भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता व किसान पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में होने वाले किसान महापंचायत में शामिल होने के लिए रवाना हुए। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के तहसील अध्यक्ष बारा सुरेंद्र सिंह (एडवोकेट) की अगुवाई में आज शंकरगढ़ क्षेत्र से दर्जनों किसान महापंचायत में शामिल होने के लिए रवाना हुए। किसान नेता सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हम लोग पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में होने वाले किसान महापंचायत में शामिल होंगे। किसानों का जो चल रहा है उस धरना प्रदर्शन के बारे मे आगे की रणनीति किसान महा पंचायत में बनाई जाएगी। आज दोपहर दो दर्जन किसान शंकरगढ़ से चलकर प्रयागराज जंक्शन से ट्रेन पकड कर मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए। रवाना होने वालों में मुख्य रूप से तहसील अध्यक्ष सुरेन्द सिंह (एडवोकेट) , तहसील उपाध्यक्ष गगन सिंह, ब्लाक अध्यक्ष शिव बहादुर सिंह, सर्वजीत सिंह एडवोकेट, बद्री प्रसाद सिंह, कन्हैया लाल सिंह, अर्जुन सिंह, गोपाल, मान बहादुर सिंह, समर बहादुर सिंह, राकेश कुमार सिंह, यतेंद्र सिंह, राजू, गोपाल के अलावा मंडल अध्यक्ष सालिकराम यादव, जिला उपाध्यक्ष संजय यादव,जिला महासचिव लल्लू पटेल,जिला सलाहकार राजेन्द पटेल सहित काफी किसान गण जय जवान, जय किसान का नारा लगाते हुए ट्रेन से मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए।

**खबर संक्षेप**

## रिश्वत के आरोपी शिक्षा निदेशालय के बाबू को कोर्ट में पेशी के बाद भेजा जेल

**प्रयागराज।** सिविल लाइंस में एक दिन पहले पकड़े गए रिश्वत लेने के आरोपी बाबू अनिल कुमार को वाराणसी जेल भेज दिया गया। विजिलेंस की टीम दोपहर में उसे लेकर वाराणसी स्थित भ्रष्टाचार निरोधक इकाई कोर्ट में पहुंची। जिसके बाद मजिस्ट्रेट की अनुमति से उसे जेल भेज दिया गया। शिक्षा निदेशालय स्थित माध्यमिक शिक्षा विभाग में तैनात अनिल कुमार को एक दिन पहले विजिलेंस ने गिरफ्तार किया था। उसे 30 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया था। शाम होने के चलते रात में उसे सिविल लाइंस थाने में रखा गया था। शुक्रवार सुबह 11 बजे के करीबी विजिलेंस की टीम एक बार फिर थाने पहुंची और आरोपी बाबू को साथ लेकर वाराणसी के लिए रवाना हो गई। दोपहर में टीम वाराणसी पहुंची। जहां उसे भ्रष्टाचार निरोधक इकाई कोर्ट में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। रिमांड मंजूर होने पर उसे वाराणसी जेल भेज दिया गया। विभाग को भेजी जाएगी रिपोर्ट गिरफ्तारी के बाद अब जल्द ही आरोपी बाबू पर निलंबन की कार्रवाई भी हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि विजिलेंस की ओर से इस मामले से संबंधित एक रिपोर्ट शिक्षा निदेशालय को भेजी जाएगी।

# असहाय बुजुर्ग के पास पहुंचकर सुनीं फरियाद

### जनसुनवाई : डीआईजी ने फरियादी को कुर्सी पर बैठा कर खुद खड़े होकर सुनते रहे पीड़ित बुजुर्ग की बातें

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** जन सुनवाई के दौरान बुजुर्ग का पैर टूटा देखा तो कुर्सी छोड़कर डीआईजी दफ्तर के बाहर आ गए और पूरी बात सुनी। शुक्रवार को जनसुनवाई कर रहे डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी को जब पता चला कि एक बुजुर्ग जिसका पैर टूटा है जनसुनवाई में आया है तो वह खुद चलकर उसके पास दफ्तर के बाहर गए और खड़े होकर उसकी न सिर्फ समस्या सुनी, बल्कि त्वरित कार्रवाई का आदेश भी दिया। इससे जनसुनवाई में आए बुजुर्ग व अन्य ने डीआईजी की सहजता की सराहना की।

आम दिनों की तरह प्रयागराज के डीआईजी/ एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी अपने कार्यालय में जन सुनवाई कर रहे थे। कार्यालय फरियादियों से खचाखच भरा था। एक के बाद एक सभी अपनी-अपनी समस्याएं सुना रहे थे। सुनवाई के दौरान ही उनकी निगाह सीसीटीवी कैमरे की तरफ पड़ी। दफ्तर

खुद कुर्सी छोड़ बुजुर्ग फरियादी की बातों को सुनते डीआईजी

के बाहर कुछ लोग एक बुजुर्ग को उठा कर ला रहे थे। उसके पैरों में प्लास्टर चढ़ा था डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी अचानक अपनी कुर्सी से खड़े हो गए। बिना कुछ कहे तेजी से वह दफ्तर से बाहर निकल गए। इस तरह कुर्सी छोड़कर बाहर निकलने से अधीनस्थ अधिकारी चौंक गए। एसपी क्राइम अशुतोष मिश्रा ने पूछा क्या हुआ सर? कुछ नहीं आता हूं और सीधे दफ्तर के बाहर निकल गए। इससे दफ्तर में हड़कंप मच गया। लोग कुछ समझ नहीं पा रहे थे। सभी अधिकारी डीआईजी के पीछे-पीछे चल दिए। आपको बता दें कि डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने हंड़िया से आए उस बुजुर्ग के पास पहुंचे, जिसे कुछ लोग उठाकर ला रहे थे। रुकने का इशारा किया और एक कुर्सी मंगाई। बुजुर्ग को कुर्सी पर बैठने को कहा। बुजुर्ग मूलचंद भी अचंभित थे कि इतने बड़े अधिकारी के सामने कैसे कुर्सी पर बैठ जाएं। फिलहाल दो सिपाहियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाया। इसके बाद हाथ में पेन और डायरी लेकर खड़े होकर सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बुजुर्ग मूलचंद से पूछा हां, दादा अब बताइए क्या परेशानी है आपको, पुलिस के पास क्यों आना पड़ा ' मूलचंद पुत्र बुदुन निवासी ग्राम बरोत थाना हंडिया प्रयागराज ने बताया कि साहब गांव के ही रामअवतार पुत्र भोला, मुन्ना पुत्र गंगा, गोपाल पुत्र चंद्रधारी, प्रमोद पुत्र मुन्ना ने जमीनी रंजिश को लेकर प्रार्थी के घर लाठी डंडा लेकर धावा बोल दिया था। घर में घुसकर प्रार्थी व उसके परिजनों को जान से मारने की नियत से प्राणघातक हमला किया। इससे मैं खुद व मेरे परिजन चोटिल हो गए। मेरा पैर टूट गया है। इस मामले में थाना हंडिया में रिपोर्ट लिखी गई, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं हो रही है। पुलिस हीला-हवाली कर रही है। लिहाजा आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए व नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए ।

डीआईजी ने मूलचंद की समस्या सुनने के बाद सीओ हंडिया से तत्काल फोन पर बात की व बुजुर्ग की समस्या का तत्काल निराकरण करने का आदेश दिया। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। डीआईजी के इस मानवीय चेहरे को देखकर जनसुनवाई में आए फरियादी भी तारीफ करने से अपने को नहीं रोक पाए।

# दो दिन के दौरे पर 11 सितंबर को आएंगे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दो दिन संगमनगरी में बिताएंगे। वह 11 सितंबर को प्रयागराज पहुंचेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति इलाहाबाद हाईकोर्ट के 600 करोड़ की लागत से बनने वाले अधिवक्ता चैंबर व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वह सर्किट हाउस में विश्राम करेंगे। अगले दिन 12 सितंबर को कुछ और कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद उसी दिन वापस लौट जाएंगे।इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह ने बताया कि 11 सितंबर को हाईकोर्ट के अधिवक्ता चैंबर व नेशनल यूनिवर्सिटी के शिलान्यास कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ-साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमन्ना भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व इलाहाबाद हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएन भंडारी भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति के आगमन के पहले शहर के कई सड़कों पर पैचिंग का कार्य शुरू करा दिया गया है। महात्मा गांधी मार्ग पर लगे डिवाइडर की रंगाई पुताई का भी कार्य जोरों पर चल रहा है। प्रयागराज में प्रस्तावित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की आधारशिला राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रखेंगे। इसके साथ ही वह हाईकोर्ट में बनने वाले अधिवक्ता चैंबर का भी शिलान्यास करेंगे। इसके मद्देनजर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

# पीडीए में करोड़ों के फंड के दुरुपयोग पर हाईकोर्ट ने किया जवाब तलब

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** प्रयागराज विकास प्राधिकरण में करोड़ों रुपये की वित्तिय अनियमितता और धन के दुरुपयोग पर ऑडिट रिपोर्ट को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार से जवाब मांग लिया है। कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जताई कि इस प्रकार की अनियमितताएं लगातार हो रही हैं। विभाग ऑडिट टीम को जांच के लिए बहुत से प्रपत्र नहीं दिखाता जिससे जांच भी पूरी तरह से नहीं हो पा रही है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता व बार के उपाध्यक्ष अजय कुमार मिश्र ने आडिट विभाग द्वारा उठाई गई आपत्तियों को लेकर जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमएन भंडारी और न्यायमूर्ति एकेओझा की पीठ सुनवाई कर रही है।प्रदेश सरकार

के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कोर्ट को बताया कि ऑडिट विभाग ने जो आपत्तियां उठाई थी उनका निस्तारण कर दिया गया है। लिहाजा याचिका पोषणीय नहीं है। जबकि याची की ओर से अधिवक्ता आरफ खान और लब्ध प्रतिष्ठ मिश्र का कहना था कि पीडीए की हर ऑडिट रिपोर्ट में वित्तिय अनियमितताओं को लेकर आपत्तियां की जा जाती हैं और यह लगातार हो रहा है। विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से सरकार को हर साल करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता है। इतना ही नहीं पीडीए के अधिकारी ऑडिट टीम द्वारा मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराते हैं जिसकी वजह से उनकी जांच नहीं हो पाती है। इससे बहुत सी अनियमितता के मामले सामने ही नहीं आ पाते हैं। याचिका में कहा गया है कि पिछले गई वर्षों से पीडीए के बैंक खातों का मिलान नहीं किया जा रहा है। विगत पांच वर्षों में सरकार खजाने को 32 करोड़ 19 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। पीडीए ने 39.27 करोड़ का सेंटेज चार्ज नहीं वसूला। ब्लैक लिस्ट ठेकेदार को बार- बार काम दिया गया। आडिट रिपोर्ट में आपत्ति उठाई गई है कि ठेकेदारों का कोई लेजर नहीं तैयार किया, सर्विस बुक भी मेनटेन नहीं है। कम्पाउंडिंग चार्ज नहीं वसूले गए। इसी प्रकार की तमाम अनिमितताओं के कारण सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया गया है। कोर्ट ने पीडीए को तीन सप्ताह में इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

## इलाज में लापरवाही बरतने वाले डॉक्टर पर मुकदमा दर्ज करने का हाईकोर्ट ने दिया आदेश

**प्रयागराज।** लापरवाही से इलाज करने के आरोप पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरेंद्र नाथ ने डॉक्टर यूएस खान पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया है। थाना उतरांव टिकरी के रहने वाले मनोज कुमार ने न्यायालय में अर्जी देकर आरोप लगाया था कि 30 जुलाई 2018 को उसकी मां के पेट में दर्द होने पर गौसिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। दो दिन बीत जाने पर भी कोई आराम नहीं हुआ। फिर कहीं और डिस्चार्ज करने के लिए कहने लगा लेकिन डॉक्टर यूएस खान ने डिस्चार्ज करने से मना किया, कहा कि शाम तक आराम मिल जाएगा।
मां को आराम नहीं मिला। डिस्चार्ज के लिए कहने पर डॉक्टर ने फिर किया तो याची ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस आने पर हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि उसकी मां की मृत्यु दोपहर में ही हो गई है। अदालत ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घटना की जांच कर न्यायालय को रिपोर्ट देने का आदेश दिया रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रथम दृष्टया न्यायालय ने डॉक्टर को दोषी पाते हुए थानाध्यक्ष झूंसी को एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया।

# शहर में बढ़ रहे डेंगू के मरीज, अब तक 42 हो चुके हैं संक्रमित

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** जिले में डेंगू संक्रमण तेजी से फैल रहा है। शुक्रवार को डेंगू के सात मरीज पाए गए। इसी के साथ डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है। उधर, मलेरिया ने भी पांव पसार लिया है। अलग-अलग अस्पतालों में मलेरिया संक्रमण की चपेट में आने से 403 मरीज भर्ती हैं। अस्पतालों में वायरल फीवर के रोगियों की भीड़ बढ़ रही है। फिलहाल डेंगू से अब तक एक भी मौत की पुष्टि नहीं हुई है। बारिश के बाद अचानक बदले मौसम में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जिले में बृहस्पतिवार को 24 घंटे के भीतर आठ बुखार पीड़ितों में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आनंद सिंह के मुताबिक अब

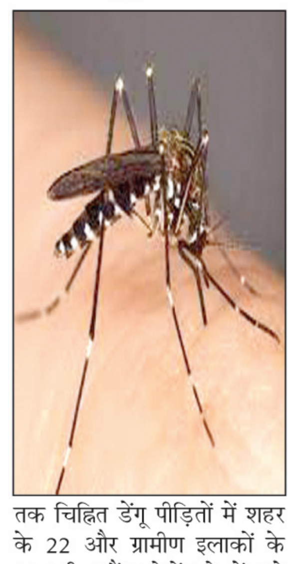

तक चिह्नित डेंगू पीड़ितों में शहर के 22 और ग्रामीण इलाकों के 12 मरीज हैं। लोगों को डेंगू से बचाने के सभी उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एलनगंज, सीमैंट परिसर, छोटा बघाड़ा, बेनीगंज मलिन बस्ती, ययासुद्दीनपुर, ट्रांसपोर्ट नगर, बाघंबरी हाउसिंग स्कीम, अल्लापुर में लोहा पार्क सहित अन्य इलाकों में एंटी लार्वा छिड़काव कराया गया। एलनगंज, छोटा बघाड़ा, नयापुरा, दरभंगा कॉलोनी, कालिंदीपुरम, बेनीगंज, गयासुद्दीनपुर समेत अन्य इलाकों में लार्वा पनपने से स्थानों को नष्ट कराया गया। वहीं करीब चार सौ घरों और आसपास के क्षेत्रों के करीब चार सौ घरों में पैराथ्रम स्प्रे कराया गया, जिससे लार्वा न पनप पाए। डीएलओ के के मुताबिक सोरांव के इस्माइलपुर में घर-घर जाकर टीमों ने बुखार पीड़ितों की जांच की और बीमारी के बारे में पता लगया। गांव में डेंगू संक्रमित तो नहीं मिले पर वायरल फीवर पीड़ित पाए गए। जिन्हें दवाएं दी गई हैं।

# अनिल देशमुख के मददगार दरोगा के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े. मामले में अपने ही अफसर और अनिल देशमुख के वकील को गिरफ्तार करने के बाद सीबीआई की टीम ने प्रयागराज में भी छापेमारी की है। अपने ही सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी के प्रयागराज स्थित कई ठिकानों पर छापा मारा है। इससे हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल स्थानीय पुलिस अधिकारी इस मामले में कुछ भी बताने से बच रहे हैं। सीबीआई ने इस मामले में अपने सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी और अनिल देशमुख के वकील आनंद डागा को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ चल रही जांच के मामले में सीबीआई को अपने सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी और देशमुख के अधिवक्ता आनंद डागा का चोरी छिपे कनेक्शन का पता चला था। इस मामले में शक के आधार पुलिस ने तिवारी और डागा को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि सीबीआई के सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी प्रयागराज के ही रहने वाले हैं। सीबीआई को शंका थी कि अभिषेक तिवारी पूर्व गृहमंत्री को क्लीन चिट देने के लिए फाइल तैयार करा रहे थे। बताया जाता है कि सीबीआई की टीम 24 घंटे से प्रयागराज में है और अभिषेक तिवारी के कई ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। अभी तक सीबीआई की टीम प्रयागराज में रुकी है।

# यूपीपीएससी : एपीएस के पुनर्विज्ञापन को लेकर अभ्यर्थियों में उहापोह

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने अपर निजी सचिव (एपीएस) भर्ती-2013 की परीक्षा तो निरस्त कर दी, लेकिन इसका पुनर्विज्ञापन जारी होने में अब देर हो रही है। परीक्षा निरस्त होने के बाद आयोग की ओर से कहा गया था कि पुनर्विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया छह माह में पूरी करा दी जाएगी, लेकिन अभ्यर्थियों को आशंका है कि मामला कहीं शासन में ही अटका रह गया हो तो परीक्षा के लिए लंबा इंतजार करना होगा। तीन चरणों की परीक्षा के तहत यह भर्ती पूरी होनी है।आयोग ने 23 अगस्त 2021 को एपीएस-2013 की परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया था। इस परीक्षा के तहत

एपीएस के 176 पदों पर भर्ती होनी है। नियमों का उल्लंघन कर विज्ञापन जारी किए जाने पर आयोग ने एपीएस भर्ती की दो चरणों की परीक्षा निरस्त कर दी थी। आयोग की ओर से कहा गया था कि जल्द ही पुनर्विज्ञापन जारी कर छह माह के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आयोग ने एपीएस भर्ती के जिस विज्ञापन को निरस्त किया था, वह वर्ष 2013 में जारी किया गया था। आठ साल तक परीक्षा पूरी होने का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को आशंका है कि विवाद के कारण कहीं पुनर्विज्ञापन फंस न जाए।आयोग ने यह तो स्पष्ट कर दिया है कि पुनर्विज्ञापन जारी होने के बावजूद अभ्यर्थियों के पुराने आवेदन ही मान्य होंगे और उन्हें नए सिरे से आवेदन नहीं करने होंगे, लेकिन अभ्यर्थियों में इस बात को लेकर उहापोह है कि पुनर्विज्ञापन में किस तरह के संशोधन किए जाएंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग ने एपीएस भर्ती परीक्षा के पाठ्यक्रम संशोधन का प्रस्ताव साल भर पहले शासन को भेजा था, जिसे अभी मंजूरी नहीं मिली है। अगर पुनर्विज्ञापन के मामले में भी यही हुआ तो अभ्यर्थियों को लंबे समय तक भर्ती प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना पड़ सकता है। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय ने आयोग के अध्यक्ष से मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट की जाए और पुनर्विज्ञापन शीघ्र जारी करे।

## फिल्म की शूटिंग के दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भारी हंगामा, कई थानों की फोर्स मौजूद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चल रही ह्यडॉक्टर जीह्न फिल्म की शूटिंग के दौरान हंगामा हो गया। फिल्म के लीड एक्टर आयुष्मान खुराना संग सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे तीन छात्रों को उनके बाउंसर ने धक्का दे दिया। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में जुटे छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिस पर कर्नलगंज के साथ ही कई थानों की फोर्स बुला ली गई। बाउंसर के माफी मांगने पर छात्र शांत हुए और तब जाकर मामला ठंडा हुआ।फिल्म की शूटिंग पिछले कई दिनों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय समेत शहर के अलग-अलग स्थानों पर चल रही है। जिसके लिए आयुष्मान खुराना समेत तमाम क्रू मेंबर शहर में ठहरे हुए हैं। शुक्रवार शाम इविवि में अंग्रेजी विभाग के पास शूटिंग चल रही थी। इसी दौरान विवि के ही कुछ छात्र भी शूटिंग देखने पहुंचे थे। शूटिंग के दौरान ही अनुराग भदौरिया समेत दो छात्रों ने आयुष्मान संग सेल्फी लेने की कोशिश की। आरोप है कि उन्हें एक्टर के बाउंसर ने धक्का दे दिया और अपशब्दों का भी प्रयोग किया। इसकी जानकारी हुई तो छात्रनेता दुर्गेश प्रताप सिंह, हॉलैंड हाल के सुधीर यादव समेत सैकड़ों छात्र वहां जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। साथियों से अभद्रता पर छात्र काफी आक्रोशित थे। मामले की जानकारी मिली तो कर्नलगंज पुलिस पहुंच गई। मामला छात्रों से जुड़ा था ऐसे में कर्नलगंज के साथ ही जार्जटाउन, शिवकुटी, दारागंज, कैंट के अलावा पीआरवी की सभी गाड़ियां मौके पर बुला ली गईं। पुलिस ने छात्रों को हटाने की कोशिश की लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए। जानकारी पर सीओ अजीत सिंह चौहान पहुंचे और उन्होंने छात्रों को समझाया। साथ ही शूटिंग क्रूसे भी बात की जिस पर बाउंसर ने अपने व्यवहार के लिए छात्रों से खेद प्रकट किया। इसके बाद छात्र शांत हुए और तब जाकर मामला पुलिस ने राहत की सांस ली। सीओ कर्नलगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि छात्र धक्कामुक्की का आरोप लगा रहे थे जिस पर बाउंसर ने माफी मांग ली। इसके बाद छात्र वापस चले गए। किसी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है।

# डीएम की अध्यक्षता में चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

### कार्यों में लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगा : जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को कार्यालय कक्ष के सभागार में चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव या दबाव के जो सही हो, वहीं होना चाहिए। अगर कही से कोई शिकायत आयी, तो प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। उन्होंने डी0डी0सी0 श्री राधेश्याम सिंह से कहा कि अधिकारीवार लम्बित निगरानियों, अपीलों, आपत्तियों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने 5 वर्षों से अधिक समय से

चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी

लम्बित मामलों की समीक्षा करते हुए उसकी स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष कार्यों की प्रगति में सुधार लाने की हिदायत भी दी। समीक्षा के दौरान अधिकारीवार/सहायक चकबंदी अधिकारी क्षेत्रवार चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगा। निष्ठापूर्वक एवं सुचारू रूप से अपने कार्यों का निर्वहन करें। बैठक में डीडीसी श्री राधेश्याम सिंह सहित चकबन्दी विभाग के सी0ओ0 गण उपस्थित रहे।

## मंडल में तीन हजार तो प्रयागराज जंक्शन में बने महज तीन पास

**प्रयागराज।** रेलवे द्वारा 17 माह के अंतराल के बाद एमएसटी सेवा शुरू करने के बाद चुनिंदा ट्रेनों में यात्रियों को सफर की अनुमति दिए जाने की वजह से दैनिक यात्री खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। प्रयागराज जंक्शन की बात करें तो यहां से गुजरने वाली मात्र एक ट्रेन में ही एमएसटी धारकों को सफर करने की अनुमति दी गई है। इस वजह से सप्ताह भर में यहां महज तीन यात्रियों ने ही एमएसटी बनवाई है। प्रयागराज मंडल के बाकी स्टेशनों की भी स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। लॉकडाउन के पूर्व प्रयागराज मंडल में एमएसटी धारकों की संख्या 14 हजार से ज्यादा थी। लेकिन अभी तक रेलवे द्वारा सिर्फ 38 ट्रेनों में ही एमएसटी धारकों को सफर की अनुमति दिए जाने की वजह से मिजार्पुर, प्रयागराज, फतेहपुर, छिवकी, अलीगढ़, टूंडला, इटावा, खुर्जा, विंध्याचल, मानिकपुर, फफूंद, कानपुर अनवरगंज आदि स्टेशनों से महज तीन हजार यात्रियों द्वारा ही एमएसटी बनवाई गई है। रेलवे द्वारा जिन ट्रेनों में यात्रियों को सफर की अनुमति दी गई है वह सभी अनारक्षित ट्रेनें हैं।

# रीवा रोड से सहसों तक प्रथम चरण में बनेगी इनर रिंग रोड

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** महात्वाकांक्षी इनररिंग रोड़ परियोजना का एलाइनमेंट पूरा हो गया है। इसका निर्माण दो चरणों में कराया जाएगा। कुंभ-2025 को ध्यान में रखते हुए पहले चरण में रीवा रोड़ स्थित पालपुर गांव से सहसों तक इनर रिंग रोड का निर्माण होगा। दूसरे चरण में रीवा रोड़ से कौड़िहार के कसारी गांव तक इसे बनाया जाएगा। इसी के साथ भूमि अधिग्रहण का काम शुरू कर दिया गया है। इनर रिंग रोड़ परियोजना के तक तीन पुलों का भी निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसमें दो पुल गंगा पर और एक यमुना पर प्रस्तावित है। इसके साथ ही साथ छह रेलवे ओवरब्रिज भी बनाए जाएंगे। शुक्रवार को मंडलायुक्त संजय गोयल ने इस परियोजना के निर्माण की दिशा में अब तक उठाए गए कदमों की प्रगति की समीक्षा की। इस परियोजना के प्रथम चरण में रीवा रोड़ से सहसों तक बनने का निर्माण महाकुंभ-2025 को ध्यान में रखते हुए पूरा कराने का निर्देश मंडलायुक्त ने एनएचएआई के अफसरों को दिया। साथ ही उन्होंने परियोजना के निर्माण से जुड़ी प्रगति की जानकारी ली। मंडलायुक्त ने भूमि अधिग्रहण के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने और रेलवे, पीडब्लूडी के अलावा अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए समय से औपचारिकताएं पूरी कराने का निर्देश दिया।मंडलायुक्त ने कहा कि इनर रिंग रोड़ के निर्माण कार्य में यदि कहीं भी किसी भी प्रकार की समस्या आती है, तो उसका निराकरण भी तत्काल कराया जाए। मंडलायुक्त ने एनएचएआई के अधिकारियों को इनर रिंग रोड़ के प्रथम फेज के कार्य को आगामी महाकुंभ से पहले पूर्ण कराने के लिए कहा। साथ ही निर्देशित किया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए। इस अवसर पर एनएचएआई के अपर आयुक्त के अलावा परियोजना निदेशक समेत पीडब्लूडी के कई अभियंता उपस्थित थे। इनररिंग रोड परियोजना के प्रथम चरण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। आगामी महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण कराया जाना है। **-एके राय, परियोजना निदेशक, एनएचएआई।**

## कोतवाली परिसर में गिरी आकाशीय बिजली, बाल बाल बचे पुलिसकर्मी

**पट्टी, प्रतापगढ़।** शुक्रवार को दोपहर पट्टी कोतवाली परिसर में आकाशीय बिजली गिरी जिससे वहां मौजूद फरियादियों और पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। हालांकि जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन सभी विद्युत उपकरण जल गए। पट्टी कोतवाल गणेश प्रसाद सिंह ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर तेज गरज के साथ बारिश प्रारंभ हुई तो लगभग ढाई बजे आकाशीय बिजली कोतवाली परिसर में गिरी, जहां पर बैठे दर्जन भर फरियादी और पुलिसकर्मी डर गए। गनीमत रहा कि किसी को जान माल का नुकसान तो नहीं हुआ लेकिन कोतवाली परिसर में लगे सभी विद्युत उपकरण इस दौरान फुंक गए।

# रंगेहाथ घूस लेते पकड़े गये खण्ड शिक्षा अधिकारी

### विजलेंस टीम प्रयागराज ने की कार्यवाही

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** बेसिक शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्यवाही करते हुए सदर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी रामशंकर को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

उक्त खण्ड शिक्षा अधिकारी(बीईओ) द्वारा सदर ब्लॉक के ही जूनियर हाईस्कूल बड़ा पुरवा में कार्यरत शिक्षक प्रभाकर प्रताप सिंह से उनके चयन वेतनमान स्वीकृत करने एवं लंबित बोनस दिए जाने की एवज में 10 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। पीड़ित शिक्षक उक्त कार्य के लिए करीब 2 माह से लगातार

बीईओ से अनुरोध कर रहे थे लेकिन बीईओ बिना रिश्वत लिए काम करने तैयार नहीं थे, शिक्षक ने बीईओ के द्वारा रिश्वत की माँग की रिकार्डिंग कर ली थी, तत्पश्चात शिक्षक ने शिक्षक संगठन-यूटा के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार दुबे व जिला महामंत्री नीरज सिंह से संपर्क किया संगठन के पदाधिकारियों ने पीड़ित शिक्षक को विजिलेंस मुख्यालय इलाहाबाद में शिकायत कर भ्रष्टाचारी को जेल भिजवाने के लिये प्रेरित किया। शिक्षक प्रभाकर प्रताप सिंह ने पूरी शिकायत सतर्कता अधिष्ठान के पुलिस अधीक्षक के समक्ष साक्ष्य सहित शिकायत की। विजिलेंस टीम ने प्रकरण की गोपनीय जांच करवाई। तदोपरांत आज विजिलेंस टीम ने प्रतापगढ़ में आकर छापे के लिये गुप्त जाल बिछाया और दस हजार के नोट पर पाउडर लगाकर शिक्षक को सौंपे। शिक्षक ने बीईओ से फोन पर पैसे देने के लिये बात की। बीईओ ने शिक्षक को दस हजार रुपये लेकर बुलाया। शिक्षक बीईओ के द्वारा बुलाये गए स्थान पर पहुंचे और रिश्वत के पैसे बीईओ को दिए। जैसे ही शिक्षक ने बीईओ को दिए सिविल ड्रेस में लगे विजिलेंस की टीम के लोगों ने मौके से ही रिश्वत के नोटों सहित मौके पर से रंगे हाथ दबोच लिया।

## करंट की चपेट मे आने से अधेड़ की मौत, कोहराम

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** विद्युत करंट की चपेट मे आने से एक अधेड़ की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। उदयपुर थाना क्षेत्र के रेहुआ निवासी अजय कुमार सिंह 55 पुत्र जंगबहादुर सिंह शुक्रवार की दोपहर करीब डेढ बजे घर के दरवाजे पर अपनी गाय बांधने के लिए ले जा रहा था। वहीं मौजूद बिजली के पोल के स्टे तार मे उतरे करंट की चपेट मे आ गया। आननफानन मे परिवार के लोग उसे सांगीपुर सीएचसी ले गये। जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर मृतक के बेटे अनिल कुमार सिंह ने पुलिस को तहरीर दी है कि बिजली के स्टे तार मे उतरे करंट की चपेट मे आने से उसके पिता की मौत हो गयी। एसओ सत्येन्द्र राय का कहना है कि शव को पीएम के लिए भेजवाया गया है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## किशोरी से छेड़छाड़ व मारपीट को लेकर दी तहरीर

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज प्रतापगढ़।** कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की किशोरी के साथ छेडछाड की घटना को लेकर उसकी मां ने पुलिस को तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की आशा सरोज पत्नी भोंदी सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीते एक सितंबर की सुबह पुरवारा गांव के कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर गालीगलौज किया तथा विरोध करने पर उसके देवर मान सिंह को मारापीटा। इस घटना मे ग्रामीणो के बीचबचाव करने पर आपसी समझौता भी हो गया। बावजूद इसके उक्त आरोपीगणों ने दो सितम्बर की सुबह शौच को जा रही उसकी चौदह वर्षीया पुत्री के साथ छेडछाड किया। शोर मचाने पर उसे जानलेवा धमकी भी दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

## घर में घुसकर बाइक व नकदी समेत लाखों उड़ा ले गये चोर

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** कोतवाली के समापुर गांव मे बीती गुरूवार की रात छत के रास्ते अज्ञात चोर घर मे घुस आये और घर मे रखी बाइक, जेवरात, नकदी आदि ले उड़े। घटना को लेकर पीडिता ने शुक्रवार को पुलिस को तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के समापुर गांव निवासी लक्ष्मी पत्नी रमेश ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती गुरूवार की रात घर मे बच्चों के साथ सो रही थी। देर रात अज्ञात चोर छत के सहारे उसके घर मे घुस आये। घर मे रखी होरा होण्डा स्पलेण्डर बाइक व टीवी, सोने चांदी के आभूषण, तीन हजार की नकदी समेत कपड़े आदि चुरा ले गये। पीडिता सुबह सो कर उठी तो घर मे चोरी हो जाने की जानकारी होने पर आवाक रह गयी। पीडिता ने लालगंज कोतवाली मे अज्ञात के खिलाफ चोरी की घटना की तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## आटो की टक्कर से वृद्धा की मौत

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** ऑटो की टक्कर से वृद्धा की मौत हो गयी। घटना को लेकर पुलिस ने आटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के ढिगवस गांव की श्यामा देवी 70 पत्नी बदलू शुक्रवार की सुबह ग्यारह बजे भगौतीगंज बाजार स्थित बैंक जा रही थी। बाजार मे ही सामने से आ रहे आटो चालक ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया। वृद्धा को इलाज के लिए परिजन अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते मे उसकी मौत हो गयी। घटना को लेकर मृतका के नाती रिंकू गौतम पुत्र मोतीलाल गौतम ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बैंक जा रही उसकी दादी को आटो चालक ने लापरवाहीपूर्वक व तेजी से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि तहरीर के आधार पर आटो चालक सागर पाण्डेय पुत्र दयाशंकर पाण्डेय निवासी भैरवपुर हरदोपटटी थाना महेशगंज के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। मौके से आटो समेत चालक को गिरफ्तार किया गया है।

## एलआईसी की 65वीं वर्षगांठ पर हुआ सम्मान समारोह

### एलआईसी यूनिट-31102 के विकास अधिकारी ने किया आयोजन

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** भारतीय जीवन बीमा निगम यूनिट-31102 के विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य द्वारा एलआईसी की 65वीं वर्षगांठ मनायी गई जिसमें शाखा के दो सहायक शाखा प्रबंधक आनंद पाण्डेय, विनय मिश्र अतिथि के रुप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य ने अतिथियों एवं ग्राहकों का ट्राफी एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि सन 1956 से आज तक निरंतर ग्राहकों की सेवा के लिये प्रतिबद्ध है। निगम के अभिकर्ताओं को ट्राफी देकर सम्मानित करते हुए आनंद पाण्डेय ने कहा कि जनपद की यूनिट बहुत मेहनत से कार्य कर रही है। निगम के उद्देश्यों को गांव-गांव जाकर अभिकर्ताओं से पूर्ण करने का आहवान किया। सम्मान कार्यक्रम में पुष्पेन्द्र शुक्ला, राजीव सिंह, अशोक कुमार सिंह, राजकुमार तिवारी, राकेश कुमार, अखिलेश कुमार, संजय पाण्डेय, राघव सिंह, राम सजीवन, बडे बाबू, मनीराम, दिनेश कुमार, संतोष तिवारी, नंद कुमार प्रजापति, ओम प्रकाश, बाबूलाल यादव, अंजनी सिंह, विनय सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। अंत में राजीव कुमार आर्य ने अधिकारियों तथा अभिकर्ताओं के प्रति आभार जताया।

## रजबहा नहर में मिला शव

**प्रतापगढ़।** शारदा सहायक खण्ड 51 नागापुर रजबहा में अमसौना पुरवा के पुराने पुल में एस अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। आसपास के लोग शव की पहचान किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। मौके पर पुलिस की पहुंची है।

# ऐंठू कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया आनलाइन राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

### आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा व समूह सखी ने लिया भाग

**अखंड भारत संदेश**

**परियावां, प्रतापगढ़।** कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष कृषि ग्रामीण कृषक महिलाओं, आजीवका मिशन की महिलाओं, बैंक व समूह सखी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए आनलाइन पोषण सप्ताह मनाया गया।

इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय उपलब्धता के अनुसार भोजन एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना है। यह आनलाइन प्रशिक्षण केन्द्र प्रशान्त उपाध्याय द्वारा संचालित किया गया जिसमें गृह वैज्ञानिक स्वाती दीपक दुबे ने इस शिविर की शुरूआत करते हुए बताया कि महिलाओं को दैनिक जीवन में भोजन शैली एवं संतुलित आहार का महत्व बताया। साथ ही भोजन में भोजन में सभी तत्वों का समावेश होना चाहिए, हमारे शरीर का संतुलित विकास होता है। इस कार्यक्रम में गुड़गॉव की आहार विशेषज्ञ डा0 शशि श्रीवास्तव भी जुड़ी जो महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं का आनलाइनन समाधान किया तथा आहार तालिका के बारे में विस्तार से समझाया। इस पोषण सप्ताह के अवसर पर श्रीमती ममता रावत, अम्रिता देवी, सुनीता, नेहा, सुनीता, संगीता सावित्री, रजिया सहित 100 महिलायें आनलाइन जुड़कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

## झमाझम बारिश से किसानों के खिल उठे चेहरे

### उमस भरी गरमी से मिली राहत

**अखंड भारत संदेश**

**पट्टी, प्रतापगढ़।** आसपुर देवसरा क्षेत्र में शुक्रवार को हुई बारिश ने किसानों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। पानी बरसा तो किसान खुशी से झूम उठे। यह बारिश किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। पिछले कई दिनों से बारिश न होने से किसान बेहद परेशान थे। उनको अपनी फसलों के बर्बाद होने की चिंता सता रही थी।

झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खुशी से खिले उठे है। वहीं भीषण गर्मी से भी लोग को राहत मिली है। बरसात का सीजन होने के बावजूद बारिश न होने से धान की फसल को नुकसान हो रहा था किसानों की उम्मीदें धीरे-धीरे टूट रही थी। डीजल के बढ़ी कीमतों से किसान हताश व निराश हो चले थे। ऐसे में बारिश किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आई। शुक्रवार शाम से शुरू हुई झमाझम बारिश ने मौसम को भी खुशनुमा बना दिया। कुछ दिनों से आसमान से बादल जैसे गायब ही हो गए थे। गर्मी से लोग बेहाल हुए तो खेतों की फसलें भी मुरझाने लगीं थीं. यह देखकर किसान फिक्रमंद हो गए थे। अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी झलक रही है। आखिरकार हुई बारिश ने मौसम में एकाएक परिवर्तन ला दिया। बारिश धान फसल के लिए रामबाण साबित हुई है. किसान लंबे समय से ऐसी बारिश का इंतजार कर रहे थे।

## डिप्टी डॉयरेक्टर एमडीएम ने परिषदीय स्कूलों की खंगाली हकीकत, हडकंप

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** लालगंज व लक्ष्मणपुर विकासखण्ड क्षेत्र के कई प्राथमिक विद्यालयो मे शुक्रवार को डिप्टी डायरेक्टर एमडीएम ने औचक निरीक्षण कर हकीकत खंगाली। निरीक्षण को लेकर विद्यालय के शिक्षको मे हडकंप रहा। लखनऊ से चलकर जिला मुख्यालय प्रतापगढ़ जा रहे डिप्टी डायरेक्टर उभयभान अचानक परिषदीय विद्यालयो का निरीक्षण करने लगे। वह सबसे पहले लालगंज ब्लाक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पूरे बोधी पहुंचे। यहां मध्यान्ह भोजन मे बनी तहरी की गुणवत्ता परखी। इसके साथ ही पठन-पाठन की हकीकत खंगाली।

इसके बाद डिप्टी डायरेक्टर ने लालगंज के प्राथमिक विद्यालय रायपुर तियांई व खजुरी और प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर तथा अजगरा का भी औचक निरीक्षण किया। विद्यालयो मे गंदगी देख डिप्टी डायरेक्टर ने प्रधानाध्यापको व शिक्षको को जमकर फटकार भी लगाई। उन्होनें शिक्षको से कोरोना गाइडलाइन के तहत शैक्षणिक व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाने के निर्देश दिये।

## यूपी बोर्ड भी असंतुष्ट छात्रों की करायेगा परीक्षा

### 18 सितम्बर को जिले के तहसील केन्द्रों पर होगी परीक्षा

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** सीबीएसई की तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने भी हाईस्कूल व इंटर के घोषित रिजल्ट से असंतुष्ट छात्र-छात्राओं की परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। आगामी 18 सितम्बर को जिले में तहसील स्तर पर बनाये गये परीक्षा केन्द्रों पर 728 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

इनमें हाईस्कूल के 322 व इंटर के 406 परीक्षार्थी पंजीकृत किये गये हैं। परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण जिला विद्यालय निरीक्षक करेंगे। बता दें कि कोरोना संक्रमण के चलते वर्ष 2021 की हाईस्कूल व इंटर की बोर्ड की परीक्षा नहीं हुई थी। कालेजों द्वारा किये गये असेसमेंट के आधार पर रिजल्ट घोषित कर दिया गया था।

इससे मेधावी छात्र और कुछ अन्य को धक्का लगा था तथा इस परीक्षाफल पर आपत्ति जताई थी। उधर सीबीएसई ऐसे अंसुष्ट छात्र-छात्राओं की फिर से परीक्षा कर रहा है। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने भी 18 सितम्बर से परीक्षा कराने का पत्र सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को भेज दिया है। परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण हो जाने पर परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र भेजने की भी व्यवस्था की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय इस परीक्षा की तैयारी में जुट गया है। यूपी बोर्ड से सभी पंजीकृत छात्रों की सूची भेजी जा रही है।

# कैबिनेट मंत्री ने परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस

### डीजी से वार्ता कर घटना का शीघ्र खुलासे की कही बात

**अखंड भारत संदेश**

**पट्टी, प्रतापगढ़।** प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप उर्फ मोती सिंह ने शुक्रवार को रखहा बाजार पहुंचकर अधिवक्ता रविन्द्र जायसवाल के बेटे की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान मंत्री ने इलाहाबाद परिक्षेत्र के डीजी से वार्ता कर घटना के शीघ्र खुलासे की बात कही। मृतक के पिता द्वारा कैबिनेट मंत्री को पांच सूत्री मांग

पत्र दिया गया जिसे उन्होंने पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

बता दें कि बुधवार की शाम करीब सवा सात बजे अधिवक्ता रवींद्र जायसवाल का बेटा आकाश जायसवाल उर्फ अंशु बाजार में गारमेंट की दुकान करने वाले प्रेमनाथ सरोज के साथ बाइक पर बैठकर पेट्रोल टंकी की ओर जा रहा था, तभी घर से पांच सौ मीटर दूरी पर पीछे से आये बाइक सवार बदमाशों ने तमंचे से फायर कर दिया। इससे आकाश जायसवाल की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बाइक चालक प्रेमनाथ सरोज घायल हो गया था।

पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार को जब घर पहुंचा तो परिजनों ने उसे दरवाजे पर रखकर घटना पर विरोध जताया। मौके पर पहुंचे एसपी सहित अन्य अधिकारियों ने घटना का शीघ्र खुलासा करने का आश्वासन देते हुए शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने के लिए राजी किया। शुक्रवार को ग्यारह बजे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप उर्फ मोती सिंह मृतक आकाश जायसवाल के घर पहुंचे तथा उनके पिता, दादा सहित अन्य परिजनों को ढाढस बंधाते हुए कहा कि घटना के पीछे बाइक सवार की रंजीश खुलकर सामने आ रही है। पुलिस घटना का शीघ्र खुलासा करेगी। इस दौरान मृतक के पिता रविंद्र जायसवाल ने कैबिनेट मंत्री मोती सिंह को 5 सूत्री मांग पत्र दिया। जिसमें घटना का शीघ्र अनावरण करते हुए सुरक्षा के साथ शस्त्र लाइसेंस तथा परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने के अलावा पचास लाख रुपये मुआवजा की बात कही गई। कैबिनेट मंत्री ने मांगपत्र लेते हुए कहा कि इसे सीएम तक पहुंचा कर सभी मांगों को पूर्ण किया जाएगा।

## जिले में 10.15 लाख लोग हुए वैक्सीनेट

**प्रतापगढ़।** जिले में 10 लाख 15 हजार 707 लोग वैक्सीनेट हो चुके हैं। कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए स्वास्थ्य महकमें ने वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ा दी है। 16 जनवरी 2021 से वैक्सीनेशन का कार्य शुरु हुआ है। 28 अगस्त से वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाकर 26 हजार लोगों को प्रतिदिन वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा गया है। दो सितंबर को 26 हजार के सापेक्ष 37 हजार 918 लोगों को वैक्सीन लगाई गई।

# संदिग्ध परिस्थितियों मे फांसी लगाकर युवक ने दी जान

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** संदिग्ध परिस्थितियों मे उदयपुर के उमरार गांव मे शुक्रवार को दोपहर एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला। ग्रामीणो की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। उदयपुर थाना क्षेत्र के उमरार गांव निवासी रामजस रजक 40 पुत्र छेदीलाल का शव संदिग्ध परिस्थिति मे शुक्रवार की दोपहर करीब ढाई बजे उसके घर के अंदर एक कमरे मे फांसी के फंदे से झूलता मिला। घटना के समय मृतक घर पर अकेला था। उसकी पत्नी मायके गई थी और बेटा बाहर मजदूरी करने गया हुआ था। पडोस का एक ग्रामीण किसी कार्य से उसे बुलाने गया तो दरवाजा न खुलने पर उसने मकान की दीवार मे बने एक होल के सहारे अंदर देखा तो युवक को फांसी से लटकते देख दंग रह गया। उसने भागकर घटना की सूचना ग्राम प्रधान व ग्रामीणों को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया। एसओ सत्येंद्र राय का कहना है कि मामला आत्महत्या का लग रहा है, मृतक के परिवार वालों को सूचना दी गई है। पीएम रिर्पोट आने पर ही घटना की सही जानकारी हो सकेगी।

# नौ संविदा कर्मचारियों की सेवा समाप्त, तीन का वेतन रोका

## कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्र ने किया जनपद का औचक निरीक्षण, सीएचसी में गंदगी मिलने पर अधीक्षक को फटकारा

**अखंड भारत संदेश**

ज्ञानपुर। मंडलायुक्त विंध्यालच मंडल मीरजापुर योगेश्वर राम मिश्र ने जनपद का निरीक्षण किया। भदोही के नोडल अधिकारी ने सर्वप्रथम औराई ब्लाक कार्यालय का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने तीन कर्मचारियों का वेतन रोका। इसके साथ ही उन्होंने नौ कांट्रैक्ट कर्मचारियों का सेवा समाप्त करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही कमिश्नर ने जीडीसी कार्यालय से संबद्ध करने एवं शासन को उनके विरुद्ध पत्र लिखने का निर्देश दिया।इसके पश्चात मंडलायुक्त सीएचसी औराई का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई न होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की एवं स्वच्छता को लेकर चिकित्सा अधीक्षक को कड़े दिशा निर्देश दिये। मंडलायुक्त ने ब्लाक, सीएचसी के बाद तहसील औराई का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार औराई से उन्होंने दस बड़े बकायेदारों का नाम पूछा। नाम नहीं बता पाने पर तहसीलदार से भी स्पष्टीकरण तलब किया है। इस दौरान उन्होंने लोगों की शिकायतें भी सुनीं।

### प्राथमिक विद्यालय को लिया गोद

मंडलायुक्त ने योगेश्वर राम मिश्र ने प्राथमिक विद्यालय नटवा पहुंचकर प्राथमिक विद्यालय को गोद लेने की घोषणा की। मंडलायुक्त ने वहां पर लाइट, पानी, शौचालय, सारी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। समुचित व्यवस्था विद्यालय में कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कई बच्चों से बात की एवं मास्क की उपयोगिता के बारे में पूछा। उन्होंने वहां उपस्थित प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि सभी बच्चे व शिक्षक मास्क का प्रयोग अवश्य करें।

### गोपीगंज में वैक्सीनेशन हाल बनाने का निर्देश

कमिश्नर ने ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोपीगंज का निरीक्षण किया। उन्होंने अवैध निर्माण को गिराकर वहां पर वैक्सीनेशन हॉल बनाये जाने निर्देश दिया। उन्होंने डेंगू वार्ड का निरीक्षण किया एवं डेंगू से बचाव के संबंध में जानकारी ली। मंडलायुक्त ने एमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने एंटीवेनम एवं एंटीरेबीज के स्टाक के बारे में पूछताछ की और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी बालेश्वरधर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, मुख्य चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

# पांच हार्स पावर के मिनी पंप का हुआ शुभारम्भ

**अखंड भारत संदेश**

**गोपीगंज।** नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रहलाद दास गुप्ता दिन शुक्रवार को दुर्गाजी मंदिर में पहुंच कर मां दुर्गा की वंदना के पश्चात वार्ड नंबर चौबीस स्थित सदर मोहाल पश्चिम मोहाल दुर्गाजी मंदिर के प्रांगण में पांच हार्ष पावर मिनी पंप का भूमि पूजन कर बोरिंग का शुभारंभ किया। अध्यक्ष ने बताया की सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए नगरवासियों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु जहा पांच हैंड पंप लगाने से बेहतर एक मिनी पंप को लगाकर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाय। इस पंप के लग जाने से वार्ड के निवासियों को अब शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी। इस मौके पर वार्ड सभासद अरुण कुमार उर्फ मिंकू सभासद आनंद मोदनवाल सभासद अनूप जायसवाल जितेंद्र गुप्ता कृष्ण कुमार गुप्ता रवि पांडे सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# पूर्व सीएम के कार्यकम को लेकर सपा ने झोंकी ताकत

**अखंड भारत संदेश**

**ज्ञानपुर।** 5 सितंबर को जिले के इनार गांव स्थित जेआरएस पब्लिक स्कूल में आयोजित शिक्षक सभा द्वारा सम्मेलन में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आगमन को लेकर सपा नेता व कार्यकर्ता रात दिन मेहनत कर कार्यक्रम को सफल बनाने में लग गए हैं। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष उमेश बिंद ने शुक्रवार को एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जिले में राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा एवं शिक्षक सम्मेलन के माध्यम से पूर्वांचल ही नहीं अभी पूरे प्रदेश में भदोही जिले की आवाज गूंगे की और एक बार फिर 2022 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने का काम करेंगे। श्री बिंद ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हम सभी समाजवादी नेता कार्यकर्ताओं के साथ जन जन से मिलकर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आवाहन करते हुए कार्यक्रम को विस्तार रूप देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि 5 सितंबर के कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष विचारों को सुनने के लिए जिले के लाखों की संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन कार्यक्रम स्थल में बहुत का प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर ओम प्रकाश यादव, दीनानाथ यादव, कमलेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने सिराज

**अखंड भारत संदेश**

**गोपीगंज।** नगर के प्रतिष्ठित परिवार जुड़े सिराज अख्तर को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुवर वासित अली ने श्री अख्तर को अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा। प्रदेश के विभिन्न जनपदों के अध्यक्षों की नियुक्ति के साथ उन्हें भदोही की जिला अध्यक्ष घोषित करते हुए पूरी निष्ठा से संगठन को गतिशील बनाने की अपेक्षा की। नगर के प्रमुख उद्यमी सिराज अख्तर सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतिरुप है, प्रमुख समाजसेवी व नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर रहे सिराज अख्तर पार्टी की अपेक्षा के अनुरुप सबको साथ लेकर चलने में पूरी तरह सफल होगे। अल्पसंख्यक मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर नगर में हर्ष व्याप्त है। बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ व्यापारियो ने उन्हें बधाई दी हैं। अफरोज अली पप्पू, दीपक मिश्रा, सरवर खान, अफसर अली, मुनौवर अली आदि रहे।

# सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने मोहा मन

**अखंड भारत संदेश**

**ज्ञानपुर।** जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास विभाग द्वारा एक दिवसीय जनपद स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मिनी स्टेडियम चक मानधाता में किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह ने सरस्वती माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया।

जिला युवा कल्याण अधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को माल्यापर्ण एवं स्मृति चिन्ह् साल देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात कलाकारों ने अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

राजेश परदेशी के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में दूर दराज ग्रामीण अंचलों आये कलाकारों ने अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुत देकर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी बालेश्वरधर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार त्रिपाठी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# टीकाकरण : छूटे लोगों के लिए घर-घर चलाया जाए अभियान

## जिलाधिकारी ने की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक

**अखंड भारत संदेश**

**भदोही।** जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी विशेष अभियान के दिशा निर्देश का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की सात सितंबर से 20 सितंबर तक चलाए जा रहे घर-घर अभियान के दौरान कोविड-19 टीकाकरण, ज्वर पीडित व्यक्तियों, क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों, नियमित टीकाकरण से छूटे बच्चों व गर्भवती महिलाओं और 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पहली खुराक ना प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का चिन्हीकरण तथा सूचीबद्ध कर सेवाएं प्रदान कराई जाएं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम को घर-घर जाकर कोविड-19 टीकाकरण के बारे में लोगों को जागरूक करना है तथा अभियान का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार कर अभियान का संचालन किया जाय।

उन्होंने कहा कि दो दिन में ब्लॉक लेवल पर माइक्रो प्लान, ट्रेनिंग का आयोजन किया जाए। मेडिकल डिपार्टमेंट की भूमिका होनी चाहिए कि अपनी टीम को प्रशिक्षित करके कार्य कराएं।जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस, नगर पालिका/टाउन एरिया के अधिशासी अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ मिलकर अपना योगदान प्रदान करें तथा अभियान का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं।

फागिंग के साथ साफ-सफाई का निर्देश उन्होंने नगर निकाय में समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित कर के साफ-सफाई, फागिंग, छिडकाव आदि का कार्य अच्छे ढंग से जल्द से जल्द करा लें । ग्राम पंचायतों में नालियो एवं झाडयों का साफ सफाई ग्राम पंचायत अधिकारी कराए। स्वास्थ्य विभाग के अलावा बाल विकास पुष्टाहार पंचायती राज तथा नगर निकाय के अधिकारी अपने विभाग से संबंधित कार्य योजना बनवा कर स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि ग्रामध् वार्ड में कौन व्यक्ति क्या कार्य कर रहा है कार्ययोजना में स्पष्ट उल्लेख किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा इस कार्य को करने में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### सार्वजनिक स्थलों पर किया जाए प्रचार

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों जैसे समाधान दिवस थाना दिवस, तहसील, ब्लॉक, चिकित्सालय आदि में बैनर-पोस्टर आदि लगवाया जाए जिससे कि लोगों को अभियान के बारे में जानकारी हो सके। उन्होंने कहा कि आगे भी सतर्कता बरती जाए ताकि जनपद में कोई भी कोविड धनात्मक केस न मिले। बैठक में सीडीओ भानू प्रताप सिंह, सीएमओ, डीपीआरओ, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

# टीकाकरणः जिलाधिकारी ने निर्धारित किया लक्ष्य

## छह सितंबर को जनपद में चलाया जाएगा वैक्सीनेशन अभियान

**अखंड भारत संदेश**

**भदोही।** जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कोविड-19 वैक्सीनेशन की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित चिकित्सकों को निर्देश दिया कि कोविड-19 का टीकाकरण नौ बजे से लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि छह सितंबर 36000 लोगों को कोविड-19 टीका लगाए जाने का लक्ष्य दिया।

जिलाधिकारी ने संबंधित कोविड सेंटर पर समय से पहुंचकर कोविड-19 का टीकाकरण लगाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि संबंधित क्षेत्र के ग्राम पंचायत अधिकारियों को निर्देशित करें कि अपने क्षेत्र में मुनियादी कराकर कोविड का प्रचार प्रसार कराएं। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, सीएचसी अधीक्षक एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

# गैरहाजिर शिक्षामित्र और अनुदेशक से स्पष्टीकरण तलब

## बीईओ का औचक निरीक्षणः26 जुलाई से अनुपस्थित चल रही हैं अनुदेशक

**अखंड भारत संदेश**

**ज्ञानपुर।** प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में महकमा जी-जान से जुटा हुआ है, पर विद्यालय की जिम्मेदारी संभालने वाले ही सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आज ज्ञानपुर के खंड शिक्षाधिकारी रवींद्र शुक्ल ने क्षेत्र के कई विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें एक महिला शिक्षामित्र और एक महिला अनुदेशक गैरहाजिर पाई गईं। दोनों से स्पषटीकरण मांगा गया है। छानबीन में यह भी पता चला है कि अनुदेशक पिछले 26 जुलाई से ही विद्यालय नहीं आ रही हैं।खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानपुर रवींद्र शुक्ल का औचक निरीक्षण का अभियान अनवरत जारी है। इसी क्रम में आज उन्होंने कंपोजिट विद्यालय चक सहाब, हिंछनपुर, चकसुंदर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीईओ ने बच्चों की उपस्थिति संख्या, साफ-सफाई के साथ ही कोविड प्रोटोकाल भी चेक किया।बीईओ ने बच्चों से सवाल भी पूछे, साथ ही कोविड प्रोटोकाल का महत्व समझाया। निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय चकसहाब में शिक्षामित्र प्रमिला यादव गैरहाजिर मिलीं। प्रमिला यादव दो और तीन सितंबर को गायब थीं। उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। बीईओ ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय हिंछनपुर में तैनात अनुदेशक ज्योति जायसवाल गैरहाजिर चल रही हैं। उपस्थिति पंजिका की जांच में पता चला कि वह 26 जुलाई से ही विद्यालय नहीं आई हैं।

# डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ गर्भवती महिला ने लगाई फांसी

## दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर घुसी पुलिस, फांसी के फंदे से लटक रहा था दोनों का शव

**अखंड भारत संदेश**

**मोढ़ भदोही।** जनपद के भदोही कोतवाली क्षेत्र में आज एक दर्दनाक मामला सामने आया है। 23 वर्षीया गर्भवती युवती ने अपने डेढ़ वर्षीय जिगर के टुकड़े को फांसी के फंदे पर लटकाया और फिर स्वयं भी फांसी लगाकर जान दे दी। इस प्रकरण की जानकारी आज सुबह हुई। काफी देर तक युवती केकमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने बाहर से आवाज दी। कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर झरोखे से अंदर झांककर देखा गया तो अंदर युवती का शव फंदे से लटकता दिखा।

आत्महत्या की जानकारी होते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मामला पुलिस तक पहुंचा तो क्षेत्राधिकारी प्रियंक जैन भी भदोही कोतवाली पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए और दरवाजे को तोडकर पुलिस अंदर दाखिल हुई और दोनों शवों को फांसी के फंदे से नीचे उतारा गया। यह प्रकरण पुलिस चौकी मोढ़ के सराय क्षत्रशाह बनकट का है। यहां केरहने वाले संदीप बिंद की पत्नी पिंकी (23) की पत्नी कुछ माह की गर्भवती थी। बीती रात वह अपने डेढ़ वर्षीय बेटे आयुष के साथ अपने कमरे में सोई थी। आज सुबह जब पिंकी काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आई तो परिजन उसे जगाने पहुंचे और बाहर से आवाज दी। कई बार आवाज देने के बाद भी पिंकी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया तो लोगों ने झरोखे से अंदर देखा, अंदर का नजारा देख लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। अंदर साड़ी के फंदे से पिंकी का शव लटकता दिखा। यह जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने इस घटना की जानकारी मोढ़ पुलिस चौकी पर दी। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज मनोज कुमार पांडेय हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गए और छानबीन के उपरांत मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। इस पर क्षेत्राधिकारी प्रियंक जैन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस की निगरानी में अंदर से बंद दरवाजे को किसी तरह खोला गया और उसके बाद पिंकी और उसके बेटे का शव फांसी के फंदे से नीचे उतारा गया। डेढ़ वर्षीय आयुष का शव अलग लटक रहा था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि पिंकी ने पहले बेटे को फांसी लगाई होगी, फिर स्वयं आत्महत्या कर ली होगी। फिलहाल पिंकी ने ऐसा कदम क्यों उठाया, यह साफ नहीं हो सका है। इस घटना को लेकर पूरा गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। आत्महत्या को लेकर अपने-अपने हिसाब से कयास लगा रहेहैं। मोढ़ चौकी इंचार्ज मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि पिंकी और उसके बेटे के शव को चीरघर भेज दिया गया है। आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। पिंकी का मायका पड़ोसी जौनपुर जनपद के थाना बरसठी के बारीगांव में है। इस मामले की जानकारी होने पर रोते-बिलखते मायकेपक्ष से भी तमाम लोग पहुंच गए थे।

इस दौरान मुख्य अतिथि लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार से जनता ऊब चुकी है। सरकार ने अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में कोई भी विकास कार्य नहीं किया। राज्य को भाजपा ने जंगलराज बना दिया है। इस कुशासन से मुक्ति के लिए जनता परिवर्तन चाहती है। उन्होंने कहा कि 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत का जनादेश देने जा रही है। पार्टी प्रत्याशियों के जीत का अंतर अधिक हो। इसके लिए अभी से चुनाव की तैयारी में लग जाएं। वहीं विशिष्ट अतिथि संगठन के प्रदेश सचिव अमित कुमार ने कहा कि प्रदेश की जनता समझ चुकी है कि सूबे में खुशहाली तभी आएगी। जब यहां पर समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। भाजपा तो झूठ बोलकर और लोगों को आपस में बांटकर सत्ता हासिल करना चाहती है।

हालांकि अब प्रदेश की जनता उनकी सच्चाई से वाकिफ हो गई। अब वह इनके बहकावे में आने वाले नहीं हैं। बैठक की अध्यक्षता लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अजीत यादव पम्मी व संचालन संतलाल ने किया। अंत में संगठन के जिला महासचिव अंशुल मिश्र ने सभी के प्रति आभार जताया। इस मौके पर बाबा बिंद, मयंक यादव, अशोक यादव, अशरफ अली, दानिश हाशमी, हिमांशु कुमार, शशांक मिश्र, अरविंद विश्वकर्मा, अनुराग कश्यप व चंद्रेश यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। भदोही। नगर के पकरी मोहल्ला निवासी समाजवादी पार्टी के युवा नेता अशोक यादव को लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अजीत यादव पम्मी ने संगठन का जिला सचिव मनोनीत किया। अशोक के लोहिया वाहिनी का जिला सचिव मनोनीत किए जाने पर संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष अलीशेर खां, पार्टी के जिला सचिव राजकुमार यादव, मनोज यादव, सूरज यादव आदि नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया। वहीं जिलाध्यक्ष के प्रति आभार जताया गया।

# बिल्डिंग बनाने वाले ठेकेदार एवं मिस्त्री हुए सम्मानित

**अखंड भारत संदेश**

**भदोही।** बृहस्पतिवार देर शाम इको प्लस स्टील एवं निहाल सीमेंट भंडार तथा केआर इंटरप्राइजेज के संयुक्त तत्वावधान में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महजुदा भदोही के लगभग 300 ठेकेदार और मिस्त्री ने समारोह में शिरकत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट सागर प्रताप सिंह ने संबोधित करते हुए लोगों को टीएमटी से जुड़ी अमूल्य चीजों से अवगत कराया। कंपनी को ऊंचाईओं तक ले जाने की प्रेरणा दी। वहीं उपस्थित कंपनी के मार्केटिंग मैनेजर देवांश सरन ने कंपनी के उत्पादों के गुणवत्ता और विश्वासनीयता से अवगत कराया और अपना प्लांट अपना ब्रांड के महत्व को समझाया।इसके अलावा सीनियर मार्केटिंग मैनेजर विपिन सिंह एवम मानव सरन ने सभी मिस्त्री एवम ठेकेदार भाइयों को सम्मानित किया। इस आयोजन में जिला डिस्ट्रीब्यूटर राजीव जायसवाल एवं गौरव जायसवाल ने भी शिरकत की। आज के कार्यक्रम की शुरुवात वृक्षारोपण के द्वारा शुरू किया गया, तथा मौके पर उपस्थित लगभग 300 मिस्त्री एवं ठेकेदार भाइयों को एक पेड़ देकर सम्मानित किया गया। वृक्षारोपण का कार्यक्रम कृष्णा यादव उनके सहयोगी वीरू यादव एवं जेवीकांत यादव के सहयोग से किया गया।

## सम्पादकीय

# सांसों में घुलता जहर

रिपोर्ट के मुताबिक हालात इतने नहीं बिगड़े हैं कि सुधारे न जा सकें। इस लिहाज से यह खास तौर पर भारत सरकार के नैशनल क्लीन एयर प्रोग्राम का जिक्र करती है, जो 2019 में लॉन्च किया गया था। इस कार्यक्रम का लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावित 102 शहरों में वायु प्रदूषण के स्तर में 20 से 30 फीसदी तक कटौती करना है। अमेरिका स्थित एक रिसर्च ग्रुप एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (एपिक) की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली समेत मध्य, पूर्वी और उत्तरी भारत में रह रहे 48 करोड़ से ज्यादा लोगों को खतरनाक स्तर तक पहुंच चुके वायु प्रदूषण की कीमत अपनी जिंदगी के कीमती साल कम करते हुए चुकानी पड़ सकती है। रिपोर्ट कहती है कि करीब 40 प्रतिशत भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में खराब हवा के चलते 9 साल से भी ज्यादा की कटौती होने वाली है। यही नहीं, प्रदूषित हवा का दायरा पहले से ज्यादा फैलते हुए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश को भी चपेट में ले रहा है। मगर रिपोर्ट का यह आकलन साल 2019 की स्थिति पर आधारित है। तब भारत की हवा में पीएम (पर्टिक्युलेट मैटर) की औसत मात्रा 70.3 माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर पाई गई थी, जो दुनिया में सबसे ज्यादा तो थी ही, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन द्वारा तय मानक से सात गुना अधिक थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह इसी स्तर पर टिकी रहेगी या धीरे-धीरे हालात और बदतर होंगे?

हवा में बढ़ता प्रदूषण हमारे लिए कोई नई बात नहीं है। 2020 में एक स्विस ग्रुप आईक्यूएयर द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में दिल्ली को लगातार तीसरे साल दुनिया की प्रदूषित राजधानी बताया गया था। पिछले साल गर्मियों में सख्त लॉकडाउन के चलते अपेक्षाकृत साफ हवा में सांस लेने वाली दिल्ली ने ठंड के दिनों में वैसा ही प्रदूषण झेला था। आसपास के राज्यों में पराली जलाने से दिल्ली में जानलेवा स्मॉग फैलता है, सब जानते हैं, लेकिन मामला ऑड-ईवन के जरिए कुछ दिनों तक ट्रैफिक का जोर कम करने और कंस्ट्रक्शन के काम पर कुछ समय की रोक लगाने जैसे तात्कालिक उपायों से आगे नहीं बढ़ता। अच्छी बात यह है कि यह रिपोर्ट मामले की गंभीरता बताने के साथ-साथ भविष्य की बेहतर तस्वीर भी दिखाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक हालात इतने नहीं बिगड़े हैं कि सुधारे न जा सकें। इस लिहाज से यह खास तौर पर भारत सरकार के नैशनल क्लीन एयर प्रोग्राम का जिक्र करती है, जो 2019 में लॉन्च किया गया था। इस कार्यक्रम का लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावित 102 शहरों में वायु प्रदूषण के स्तर में 20 से 30 फीसदी तक कटौती करना है। रिपोर्ट बताती है कि अगर इस कार्यक्रम के लक्ष्य पूरे हो गए तो देश में औसतन जीवन प्रत्याशा में 1.7 साल की और दिल्ली में 3.1 साल तक की बढ़ोतरी हो सकती है। चीन जैसे देश वायु प्रदूषण को कम करने में शानदार सफलता हासिल कर चुके हैं। हमें यह भी समझना होगा कि वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी खर्च में भी बढ़ोतरी होती है। इसलिए नैशनल क्लीन एयर जैसे प्रोग्राम को सख्ती से लागू करना होगा। हमें स्वच्छ हवा को राष्ट्रीय प्राथमिकता में शामिल करना होगा।

# पेट्रोल 150 रुपये का मिले तो भी कोई बात नहीं

**भरत झुनझुनवाला**

विश्व बाजार में वर्ष 2015 में कच्चे तेल का मूल्य 111 डॉलर प्रति बैरल था। साल 2020 में यह घटकर 23 डॉलर प्रति बैरल रह गया। जैसे-जैसे तेल का मूल्य घटता गया, वैसे-वैसे केंद्र सरकार तेल पर वसूली जाने वाली एक्साइज ड्यूटी में वृद्धि करती रही। इस कारण देश में पेट्रोल के दाम इस दौरान लगभग 70 रुपये प्रति लीटर बने रहे। आज विश्व बाजार में ईंधन तेल का मूल्य फिर से बढ़कर 76 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। 2020 की तुलना में इसमें 3 गुना वृद्धि हुई। ईंधन तेल के मूल्य में हुई इस वृद्धि के दौरान सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती नहीं की बल्कि इन्हें पहले की तरह ऊंचा बनाए रखा। जब मूल्य गिर रहे थे, तब सरकार ने एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई। जब मूल्य बढ़ने लगे, तब भी एक्साइज ड्यूटी को ऊंचा बनाए रखा। इस कारण से अभी तेल के दाम ऊंचे हैं। घरेलू बाजार में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर से भी ज्यादा हो गया है। पेट्रोल के दाम का थोक मूल्य सूचकांक में 1.6 प्रतिशत हिस्सा होता है और डीजल का 3.1 प्रतिशत। कुल महंगाई में तेल का हिस्सा छोटा है, इसलिए इसे अधिक तूल नहीं देना चाहिए। मैन्युफैक्चरिंग में मुख्यतः बिजली का उपयोग होता है, ईंधन तेल का नहीं। इसलिए तेल की मूल्य वृद्धि का प्रभाव आर्थिक विकास पर कम ही पड़ेगा। ईंधन तेल के मूल्य में वृद्धि का पहला लाभ है कि हमारी आयात पर निर्भरता कम हो जाएगी। वर्तमान में देश में खपत किए जाने वाले ईंधन तेल का लगभग 85 प्रतिशत आयात किया जाता है। तेल के मूल्य में वृद्धि से खपत कम होगी। कर्मचारी बाइक के स्थान पर बस से काम पर जाने लगेंगे। इसलिए ईंधन तेल के मूल्यों में वृद्धि से हमारी आर्थिक संप्रभुता की रक्षा होगी। दूसरा लाभ पर्यावरण का है। ईंधन तेल के जलने से कार्बन उत्सर्जन भारी मात्रा में होता है। तेल की मूल्य वृद्धि से खपत कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में गिरावट आएगी।

देखने वाली बात यह है कि सरकार द्वारा ईंधन तेल से वसूल किए गए इस विशाल राजस्व का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है। वर्तमान वर्ष 2021-22 के बजट में सरकार ने पूंजी खर्च में 1.15 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि की है। लेकिन इस खर्च को तेल से मिले राजस्व से पोषित नहीं किया जा रहा है बल्कि इस अतिरिक्त खर्च को दूसरी पूंजी बेच कर पोषित किया जा रहा है। पिछले वर्ष सरकार ने 46 हजार करोड़ रुपये पूंजी को बेच कर अर्जित किए थे। उदाहरण के लिए, सार्वजनिक इकाइयों के शेयर बेचकर। इस वर्ष दूसरी पूंजी को बेच कर 1.88 लाख करोड़ रुपये अर्जित करने का लक्ष्य है। इसे भी पिछले माह बढ़ाकर 6 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। स्पष्ट है कि पूंजी निवेश में 1.15 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि के सामने पूंजी विक्रय से 6 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

गंभीर विषय यह है कि सरकार ने तेल से अर्जित एक्साइज ड्यूटी का उपयोग अपनी खपत को पोषित करने में किया है। वर्तमान वर्ष के बजट में राजस्व खर्च जैसे सरकारी कर्मियों के वेतन इत्यादि में 12 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। हाल में ही 1 जुलाई को सरकार ने सरकारी कर्मचारियों का डीए 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर दिया है। ईंधन तेल से अर्जित अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी का उपयोग कल्याणकारी परियोजनाओं के लिए भी नहीं किया जा रहा है। जैसे मनरेगा पर खर्च की जाने वाली रकम में वर्तमान वर्ष में 34 प्रतिशत की कटौती की गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना में बीते वर्ष 75 हजार करोड़ के खर्च के स्थान पर वर्तमान वर्ष में 65 हजार करोड़ रुपये खर्च का प्रस्ताव है। ग्रामीण विद्युतीकरण में पिछले वर्ष 4,500 करोड़ रुपये के स्थान पर वर्तमान वर्ष में 3,500 करोड़ रुपये के खर्च का प्रस्ताव है। इसलिए ईंधन तेल से वसूले गए राजस्व का उपयोग न तो पूंजी निवेश के लिए किया जा रहा है न ही जनकल्याण के लिए, बल्कि इसका उपयोग मुख्यतः सरकारी खपत एवं सरकारी कर्मियों को बढ़े हुए वेतन देने के लिए किया जा रहा है।

इस समय अर्थव्यवस्था कमजोर है। इसका मुख्य कारण यह है कि आम आदमी के पास क्रय शक्ति नहीं है। कोविड के संकट ने उसकी बचत समाप्त कर दी है। वह अपनी खपत में कटौती कर रहा है। बाजार से माल की मांग तब ही बनेगी, जब आम आदमी के हाथ में क्रय शक्ति होगी और उसकी मांग की आपूर्ति के लिए कंपनियों द्वारा माल बनाया जाएगा।

इस कठिन परिस्थिति में सरकार को दो कदम उठाने चाहिए। पहला यह कि पूंजी निवेश को बड़े हाइवे इत्यादि के स्थान पर ग्रामीण विद्युतीकरण, झुग्गियों में सड़क और कस्बों में वाईफाई आदि सुविधाओं की तरफ मोड़ना चाहिए, जिससे कि आम आदमी के लिए धंधा करना आसान हो जाए और वह आय अर्जित करके बाजार से माल खरीदने में सक्षम हो। दूसरे, सरकार को अपनी खपत और सरकारी कर्मचारियों के वेतन में कटौती करके रकम को आम आदमी के खाते में सीधे ट्रांसफर करना चाहिए जिससे कि आम आदमी के हाथ में क्रय शक्ति आए।

सरकार यदि पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में और भी वृद्धि करे तो उचित होगा। देश में पेट्रोल 150 रुपये प्रति लीटर बिके तो भी ठीक है। ऐसा करने से महंगाई में कुछ वृद्धि अवश्य होगी, लेकिन आम आदमी प्रभावित नहीं होगा। अर्जित रकम को आम आदमी के खाते में सीधे ट्रांसफर करने से उसकी भरपाई हो जाएगी। आर्थिक विकास प्रभावित नहीं होगा चूंकि बिजली सस्ती है। देश की आर्थिक संप्रभुता की रक्षा होगी। विश्व का पर्यावरण सुधरेगा। जरूरी यह है कि सरकार इससे अर्जित रकम जन हित में व्यय करे न कि सरकारी खपत बढ़ाने में।

# गरीबों के सपनों को आकार

**डॉ. दिलीप अग्निहोत्री**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी बेघरों को आवास देने का संकल्प लिया था। इसके लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना का शुभारंभ पिछले कार्यकाल में ही किया गया था। इस अभियान में अभूतपूर्व सफलता मिली है। पिछले सत्तर वर्षों पर वर्तमान सरकार के सात वर्ष भारी हैं। इधर उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। निर्धन आवास निर्माण में उनकी सरकार ने भी अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। इसके साथ ही निःशुल्क बिजली कनेक्शन निःशुल्क एलपीजी गैस, शौचालय निर्माण में भी उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर नम्बर वन है।

दो दिन के अंतराल में ही मुख्यमंत्री ने शहरी व ग्रामीण आवास योजना कार्यक्रम में बेघरों को सौगात दी। पहले प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत दो लाख से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में करीब साढ़े तेरह सौ करोड़ रुपये की धनराशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अन्तरित की थी। यह धनराशि लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक के तहत लाभार्थियों के खातों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय किस्त की धनराशि के रूप में ट्रांसफर की गयी है। आवास योजना के अतिरिक्त शौचालय, निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन,राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, निःशुल्क विद्युत कनेक्शन तथा जनधन योजना आदि का लाभ भी गरीबों को प्रदान किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री द्वारा देश के सभी जरूरतमन्द परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत तीन किस्तों में ढाई लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जा रही है। इसमें से डेढ़ लाख रुपये केन्द्र सरकार द्वारा तथा एक लाख रुपये राज्य सरकार द्वारा दिये जा रहे हैं। शहरी आवास योजना के लिए धन आवंटन के बाद प्रदेश ग्रामीण क्षेत्रों में साढ़े पांच लाख गरीबों को आवास की चाभी प्रदान की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत करीब सात हजार करोड़ रुपये से बने इन आवासों की चाबी लाभार्थियों को सौंपी गई। योगी आदित्यनाथ वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम में सहभागी हुए। योगी आदित्यनाथ ने सांकेतिक रूप से अनेक लाभार्थियों को चाबी दी। योगी आदित्यनाथ ने गृह प्रवेश करने वाले गरीबों को बधाई दी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों के सबसे बड़े हितैषी हैं। वर्तमान सरकार वंचितों, शोषितों और गरीबों की समस्याओं के समाधान हेतु गंभीर है। प्रधानमंत्री का सपना है कि हर गरीब का अपना घर हो। इन दो योजनाओं में पिछले चार वर्षों में लगभग 42 लाख आवास स्वीकृत किए गए। जबकि पहले के तीस वर्षों में कुल 53 लाख आवास बने थे। इस आधार पर पिछली व वर्तमान सरकारों की कार्यशैली का आकलन किया जा सकता है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने गरीबों की आवासीय समस्याओं के समाधान पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। अब सभी जरूरतमन्दों को प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भरता के विजन का लाभ मिल रहा है। इन आवासीय योजनाओं के लाभार्थियों को अन्य लाभार्थीपरक योजनाओं जैसे उज्ज्वला, सौभाग्य, आयुष्मान भारत, राशन कार्ड, शौचालय निर्माण, निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन योजना आदि का लाभ भी दिया जा रहा है। जब अच्छी सरकार आती है तो सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मिलता है। नरेंद्र मोदी के पहले भी कई प्रधानमंत्री बने लेकिन तब गरीबों को मुफ्त आवास की सुविधा नहीं मिलती थी। तमाम घरों में शौचालय की व्यवस्था नहीं थी। जिसके कारण तमाम तरीके की बीमारियां होती थी। आज इन योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना हर गरीब का घर हो अपना उत्तर प्रदेश में साकार होता दिख रहा है। पिछली सरकारों के एजेंडे में गरीब नहीं होता था। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद गरीब,गांव, किसान,महिलाओं और नौजवानों को बिना भेदभाव के सरकार की योजनाओं से जोड़ा गया। प्रधानमंत्री आवास योजना की सत्तर प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। जरूरतमन्दों उज्ज्वला,सौभाग्य, आयुष्मान भारत,राशन कार्ड आदि योजनाओं का लाभ मिल रहा है। आवास प्राप्त करने में भी किसी कठिनाई या भ्रष्टाचार का सामना नहीं करना पड़ा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति को अभूतपूर्व बताया। जाति परिवारवाद व तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले विपक्षी दलों के एजेण्डे में गरीबों का कोई स्थान नहीं था। उनके एजेंडे में सिर्फ अपने व अपने परिवार के लिए सारी सुख सुविधाओं से लैस आलीशान महल बनाने की योजना रहती थी। जबकि भाजपा सरकार में गरीबों को घर मिल रहा है। इसके अलावा पिछली सरकारों में संरक्षण प्राप्त भूमाफियाओं के द्वारा गरीबों की जमीनों पर अवैध तरीके से बनाई गई अवैध इमारतों पर बुलडोजर चलाकर मुक्त भी कराया जा रहा है। भाजपा सरकार की प्राथमिकता में प्रदेश के हर गरीब व जरूरतमंद परिवारों की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना है।प्रदेश में गरीब व वंचित वर्गों तक आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान, उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस सिलेण्डर, सौभाग्य योजना के तहत मुफ्त बिजली कनेक्शन के साथ साथ आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिल रहा है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से गरीब व जरूरतमंद परिवारों तक मुफ्त राशन पहुंचाया गया। एक अन्य कर्यक्रम के माध्यम से योगी आदित्यनाथ ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के पचपन लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल आठ सौ छत्तीस करोड़ रुपए का ऑनलाइन हस्तान्तरण किया। इनमें साढ़े चार लाख से अधिक नए लाभार्थी सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री ने पात्र लाभार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद भी किया।

# चिंता जनक है केरल का तालिबान कनेक्शन

**रमेश शर्मा**

तालिबान के समर्थन को लेकर यूँ तो देश भर के विभिन्न प्रांतों से समाचार आये हैं, कहीं कहीं कुछ गिरफ्तारियों की भी खबर आई पर केरल से आने वाली तीनों खबरें बहुत गंभीर हैं। ये तीनों खबरें केवल चौंकाने वाली भर नहीं हैं बल्कि पूरे देश को सतर्क करने वाली हैं। अर्ध निद्रा से जगाने वालीं हैं कि स्वतंत्र भारत में किस तरह तालिबान मानसिकता गहरी हो रही है, अपना फैलाव कर रही है, जड़े मजबूत कर रही है। दुनियां के लिये भले तालिबान 27 साल पुराना नाम हो पर यह मानसिकता नयी नहीं है, सैकड़ों साल पुरानी है। भारत इसे शताब्दियों से झेल रहा है। देश की धरती का कण कण रक्त रंजित है। लाखों प्राणों की आहुतियां हुईं हैं। भारत का विभाजन भी हुआ पर भारत इस क्रूरता से मुक्त न हो पाया। यह वही केरल प्रांत है जहां भारत में ही भारतत्व को समाप्त करने का अभियान चल रहा है। यदि हम पुराने संदर्भ को छोड़ भी दें तब भी पिछले सौ सालों का तो इतिहास साक्षी है, एक एक घटना का विवरण है कि कैसे वहां के लोगों ने इस तालिबानी मानसिकता का क्रूर आतंक झेला है। समय बदला, लोग बदले, विषय बदले लेकिन मानसिकता की क्रूरता कभी न बदली। पर आश्चर्य इन तीनों समाचारों पर देश में जो प्रतिक्रिया आनी चाहिए थी वह देखने सुनने को नहीं मिली। पहला समाचार इंडियन मुस्लिम लीग के विधायक एम.के. मुनीर को धमकी देने का है।

विधायक ने अपने फेसबुक अकाउन्ट पर अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम पर तालिबान का समर्थन नहीं किया था। इस पर विधायक को धमकी दी गयी और सोशल मीडिया से अपनी टिप्पणी हटाने के लिए कहा गया। दूसरी खबर आई कि केरल के 17 नौजवान इन दिनों अफगानिस्तान में तालिबान के लिए काम कर रहे हैं। इनमें 14 तो वे लोग हैं जो आईएस आईएस के लिये काम करते हैं और इस समय तालिबान के साथ हैं। इन्हें अफगानिस्तान की पिछली सरकार ने बंदी भी बना लिया था लेकिन अब तालिबान ने उन्हें जेल से रिहा कर दिया है। मीडिया में यह खबरें भी आईं कि 26 अगस्त को काबुल विमानतल के पास जो विस्फोट हुआ था उसके पीछे केरल के इन लोगों का भी हाथ रहा है। यह भी समाचार आया कि विस्फोट के प्रतिशोध के लिये अमेरिका ने जो ड्रोन हमला किया उस हमले में मरने वाला एक आतंकवादी केरल का रहने वाला है। तीसरा समाचार इससे भी अधिक गंभीर है। यह समाचार अमीषा नामक उस लड़की का है जो केरल में मेडिकल की छात्रा रही है। पहले लव जिहाद की शिकार हुई और उसका धर्मान्तरण कराया गया और अब उसे अफगानिस्तान ले जाया गया है। जहां वह अब तालिबान के लिये काम कर रही है। इस लड़की की मां विन्दु संपत ने भारत सरकार से अपनी बेटी का पता लगाने की याचना की है। हालांकि इस लड़की का मामला पिछले लगभग चार वर्षों से विभिन्न अदालतों में आया है। उसके पिता अपनी बेटी को वापस पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसमें नया यह है कि इस लड़की को अब फिदायीन बनाकर अफगानिस्तान ले जाया गया है। हालांकि इन समाचारों के प्रति सरकार की चुप्पी रही है। न तो इनका समर्थन किया गया और न ही खंडन। लेकिन मीडिया में यहां-वहां लगातार आ रहा है। हालांकि इन तीनों समाचारों के बाद जितनी गंभीरता भारतीय मीडिया, राजनीति और स्थानीय प्रशासन में आनी चाहिए थी उसका अभाव ही रहा। कुछ संचार माध्यमों में तो ये समाचार थे ही नहीं और जिनमें आये वे बहुत कम स्थान बना पाये। इसका कारण संभवतः केरल में तीन तीन वैचारिक शक्तियों की एक युति जैसी बन गयी है। ये तीन शक्तियां हैं वाम पंथी विचार, मिशनरी मानसिकता और तालिबानी मानसिकता। केरल में वाम पंथी सरकार है और उसे बाकी दोनों विचारकों का समर्थन है। संभवतः इसीलिये सरकार का इन समाचारों के प्रति नरम रुख रहा और इनसे प्रभावित मीडिया का भी।

सामान्यतः वामपंथी स्वयं को धार्मिक कट्टरवाद से अलग होने का दावा करते हैं लेकिन उनकी यह झलक केवल सनातनियों के मामले में ही दिखती है। शेष के प्रति उनका रुख सदैव समर्थन जैसा ही रहा है। अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम में चीन का रुख तालिबान के पक्ष में रहा और भारत के तमाम वामपंथी विचारकों ने बाकायदा ऐसी टिप्पणियां की हैं कि तालिबान बदल रहा है। जबकि हकीकत यह है कि मानवता के पक्ष में तालिबान में कोई बदलाव नहीं आया है। वह आज भी आतंकवाद का ही दूसरा पहलू है। जिस प्रकार उसने हत्या करके लाश को हेलीकॉप्टर में लटका कर पूरे काबुल में घुमाया इससे उसकी मानसिकता स्पष्ट हो जाती है फिर भी वामपंथी खेमे में चुप्पी है। यह चुप्पी ठीक वैसी ही है जैसे सौ साल पहले केरल के मालाबार में हुई क्रूरतम हिंसा के प्रति आंखे मूंदी गयीं थीं। इतिहास में यह हिंसा मोप्ला विद्रोह के नाम से दर्ज है। सबसे बड़ा प्रश्न तो यही कि वह हिंसा मोप्लाओं द्वारा समाज के दमन, सामूहिक हत्याओं, सामूहिक बलात्कार और सामूहिक धर्मांतरण की थी। यह सीधा सीधा आतंकवाद है लेकिन इसे विद्रोह लिखा गया। तत्कालीन राजनेताओं में से किसी ने इस पर खुलकर नहीं बोला। वह उस समय के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बालकृष्ण शिवराम मुंजे ने क्षेत्र की यात्रा की, उन्होंने सरकार को पत्र लिखे, अन्य लोगों का ध्यान खींचा तब कुछ संगठन वहां पहुंचे और प्रशासन ने कुछ गिरफ्तारियां कीं। सावरकर जी ने इस पर उपन्यास लिखकर देश को जाग्रत किया फिर भी जिन नगरों में स्त्रियों का हरण हुआ, सामासिक धर्मान्तरण हुआ उनमें से किसी को राहत न मिल सकी।

# नए जजों की नियुक्ति से मुकदमों के बोझ से मुक्ति मिलेगी !

**योगेश कुमार गोयल**

26 जनवरी 1950 को अस्तित्व में आए उच्चतम न्यायालय के 71 वर्षों के इतिहास में पहली बार तीन महिला न्यायाधीशों सहित कुल नौ न्यायाधीशों द्वारा 31 अगस्त को एक साथ शपथ लेते हुए पद ग्रहण किया गया। शीर्ष अदालत ने इन 9 नामों की सिफारिश 17 अगस्त को की थी। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने सभी न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 34 है और 9 नए न्यायाधीशों के शपथ लेने के साथ ही प्रधान न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या अब 33 हो गई है। शीर्ष अदालत के इतिहास में पहली बार तीन महिला न्यायाधीशों न्यायमूर्ति हिमा कोहली, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश के रूप में एक साथ शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका, विक्रम नाथ, जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, सीटी रविकुमार, एमएम सुंदरेश तथा पी.एस. नरसिम्हा शामिल हैं। यह भी शीर्ष अदालत के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब देश की सर्वोच्च अदालत में एक साथ कुल चार महिला न्यायाधीश सेवारत हुई हैं। न्यायमूर्ति एम फातिमा बीवी वर्ष 1989 में उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश बनी थी। तब से लेकर अबतक शीर्ष अदालत में केवल आठ महिला न्यायाधीश हुई हैं, जिनमें तीन अभी शामिल हुई हैं और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी पहले से ही उच्चतम न्यायालय में सेवारत हैं।सर्वोच्च अदालत में अब देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने का रास्ता भी साफ हो गया है। सितम्बर 2027 में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश होंगी लेकिन उनका कार्यकाल केवल सवा महीने का ही होगा। उनके बाद मई 2028 में जस्टिस पीएस नरसिम्हा देश के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं, जिनका कार्यकाल छह महीने से अधिक का होगा। उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त नौ न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति श्रीनिवास ओका सबसे वरिष्ठ हैं, जो इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे और उससे पहले वह मुम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ सितम्बर 2004 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए थे और 10 सितम्बर 2019 को गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। वह फरवरी 2027 में देश के प्रधान न्यायाधीश बन सकते हैं। न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी नवम्बर 2005 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने थे और अक्तूबर 2019 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा फिर सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने थे। न्यायमूर्ति हिमा कोहली सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश थी। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ई एस वेंकटरमैया की बेटी न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना 2008 में कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश बनी थी। न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार जनवरी 2009 में केरल उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बने थे और 15 दिसम्बर 2010 को उन्हें वहां स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश 31 मार्च 2009 को मद्रास उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और मार्च 2011 में वे स्थायी न्यायाधीश बने थे। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी फरवरी 2011 में जिला जज से गुजरात उच्च न्यायालय की न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुई थी। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा बार से सीधे पीठ में पदोन्नत होने से पहले वरिष्ठ अधिवक्ता थे।

बहरहाल, 9 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से एक ओर जहां देश की सबसे बड़ी अदालत में जजों के खाली पदों को भरने की मांग लगभग पूरी हो गई है, वहीं लैंगिक समानता की दृष्टि से भी एक साथ तीन महिला जजों की नियुक्ति एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। सरकार की ओर से करीब दो वर्ष पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने उच्चतम न्यायालय में पेश किए गए दस्तावेजों में कहा था कि कोर्ट रूम को लैंगिक प्रतिनिधित्व की दिशा में संतुलित करने की आवश्यकता है। उच्चतम न्यायालय में अब कुल स्वीकृत पदों में से एक केवल एक ही पद खाली रह गया है। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने जब शीर्ष अदालत में देश के प्रधान न्यायाधीश का सर्वोच्च पद संभाला था, उस समय उनकी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक उच्चतम न्यायालय में रिक्त पदों को भरना था। दरअसल करीब 21 महीनों से चले आ रहे गतिरोध के कारण नए न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं हो पा रही थी। जस्टिस रमना से पहले पूर्व जस्टिस एसए बोबडे के कार्यकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट में एक भी न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं हुई थी। उच्चतम न्यायालय में खाली पदों पर न्यायाधीशों की नियुक्ति इसलिए भी बेहद जरूरी थी क्योंकि वर्तमान में देशभर में अदालतों में लंबित मामलों की संख्या करीब साढ़े चार करोड़ तक पहुंच गई है और सर्वोच्च अदालत में भी न्यायाधीशों की कमी के कारण कई महत्वपूर्ण मामले लंबित हैं। उच्चतम न्यायालय में ही इस समय करीब 70 हजार मामले लंबित हैं। शीर्ष अदालत की संवैधानिक पीठ ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 224ए के तहत तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए पहले ही हरी झंडी दे दी थी। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च अदालत में रिक्त पदों को भरे जाने के बाद अब उच्च न्यायालयों तथा निचली अदालतों में भी जजों के खाली पदों को भरा जाएगा और इससे अदालतों को मुकद्दमों के भारी-भरकम बोझ से कुछ हद तक राहत मिल सकेगी। देशभर की अदालतों में जजों के खाली पदों को भरने के साथ-साथ लोगों को समय पर न्याय उपलब्ध कराने और लंबित मुकद्दमों के भारी-भरकम बोझ से छुटकारा पाने के लिए त्वरित न्याय की पहल होना भी बेहद जरूरी है और इसके लिए जरूरी है कि अब न्यायिक सुधारों की दिशा में भी आवश्यक पहल की जाए। इसके लिए जरूरी है कि वर्षों से लंबित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन की दिशा में सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएं।

## मोहम्मद सिराज ने बेयररेस्टो को ट्रैप में फंसा कर किया आउट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में मोहम्मद सिराज ने लंच ब्रेक के बाद जॉनी बेयरस्टो को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। लंच ब्रेक तक इंग्लैंड मजबूत स्थिति में दिख रहा था। दूसरे दिन लंच ब्रेक तक इंग्लैंड का स्कोर 5 विकेट पर 139 रन हो चुका था। लंच के बाद सिराज ने एक शानदार गेंद पर जॉनी बेयरेस्टो को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को बरकरार रखा। अपने कप्तान के भरोसे को कायम रखते हुए उन्होंने ओली पोप और बेयरस्टो के बीच चल रही पार्टनरशिप को तोड़ा। बेयरस्टो को सिराज ने एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद अंपायर द्वारा आउट करार दिए जाने के बाद बेयरस्टो ने रिव्यू लिया। रिव्यू में भी उन्हें आउट ही दिया गया क्योंकि वो विकेटों के बिल्कुल सामने थे।

# उमेश यादव ने टेस्ट क्रिकेट में लिए 150 विकेट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने शुक्रवार को लंदन के ओवल में नया कीर्तिमान रचा। ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ खेल जा रहे चौथे टेस्ट मैच में उमेश यादव ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 150 विकेट पूरे किए। वो टेस्ट क्रिकेट में 150 विकेट लेने वाले छठें तेज गेंदबाज बन गए हैं। यादव ने नाइटवॉचमैन क्रेग ओवरटन को दूसरे दिन के दूसरे ओवर में 1 रन पर आउट कर अपने 150 विकेट हासिल किए।

इसके साथ ही उमेश ने भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की बराबरी कर ली। जहीर खान ने भी 49 टेस्ट मैच में 150 विकेट लिए थे। भारत की तरफ से सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज कपिल देव है। भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव ने 39 मैचों में 150 विकेट लेने का कीर्तिमान बनाया था। उनके बाद जवागल श्रीनाथ ने 40 टेस्ट में, मोहम्मद शमी ने 42 टेस्ट में ये कारनामा किया।। इशांत शर्मा ने भारत के लिए 54 टेस्ट मैच में 150 विकेट हासिल किए थे। यादव को 150 विकेट हासिल करने के लिए दो विकेट की जरूरत थी। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को अपना पहला शिकार बनाया।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में उन्होंने लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की। चौथे टेस्ट में उन्हें मोहम्मद शमी की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच खेला था। अभी तक उमेश यादव इस टेस्ट मैच में तीन विकेट ले चुके हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज इस समय 1-1 से बराबर है। चौथा टेस्ट ओवल में खेला जा रहा है और दोनों की कोशिश होगी कि वो ये टेस्ट मैच जीतकर अजेय बढ़त बना लें।

## बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को रोमांचक मैच में 4 रन से हराया, टी-20 सीरीज में 2-0 से बनाई बढ़त

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी-20 में रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। मेजबान बांग्लादेश ने ढ़ाका में खेले गए मैच में कीवी टीम के सामने 142 रनों का लक्ष्य रखा। 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेहमान टीम निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 137 रन ही बना पाई। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने 49 गेंदों में नाबाद 67 रनों का पारी खेली लेकिन वो टीम को जीत नहीं दिला सके। न्यूजीलैंड को आखिरी गेंद में जीतने के लिए 6 रन चाहिए थे लेकिन टॉम लाथम एक रन ही बना पाए। बांग्लादेस के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन वने दो विकेट लिए। मेहदी हसन बांग्लादेश की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज रहीं। उन्होंने 4 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए। नासुम अहमद को एक विकेट मिला। बाग्लादेश के कप्तान महमुदुल्लाह को मैन ऑफ द मैच दिया गया। बंगलादेश की तरफ से मोहम्मद नईम और लिटन दास ने बांग्लादेश को शानदार शुरुआत दिलाई।

इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। मोहम्मद नईम ने 39 और लिटन दास ने 33 रन बनाए। इसके बाद कप्तान महमुदुल्लाह ने 32 गेंद पर 37 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की तरफ से रचिन रविंद्र ने 4 ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। बांग्लादेश ने पहला टी-20 मैच सात विकेट से जीता था। दोनों देशों के बीच तीसरा मैच 5 सितंबर को होगा।

## पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट ने बताया, क्यों नहीं हो सकती है ऋषभ पंत और एडम गिलक्रिस्ट की तुलना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऋषभ पंत का बल्ला इंग्लैंड दौरे में खामाश रहा है। इसी वजह से उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में पंत ने अभी तक 6 पारियों में सिर्फ 96 रन बनाए हैं।

इस सीरीज में उनका औसत 16 का रहा है। इस साल की शुरुआत में पंत ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मैच विनिंग पारियां खेली थी। इसी वजह से उनके कई फैंस और एक्सपर्ट ने पंत की तुलना ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट से की। हालांकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट ऐसा नहीं मानते हैं। सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल में अपलोड किए गए नए वीडियो में कहा,' कृपया 2-3 साल के अनुभव वाले ऋषभ पंत की तुलना एडम गिलक्रिस्ट जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी के साथ ना करें। गिलक्रिस्ट मैच विनर थे। वह अपने समय में विश्व स्तरीय गेंदबाजों पर हावी रहते थे। अब केवल कुछ टॉप क्लास के पेसर हैं और पंत ने अब तक केवल कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। पंत गिलक्रिस्ट के आधे भी नहीं हैं। पंत को खेल के सबसे शुद्ध फॉर्मेट में लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी तकनीक और मानसिकता पर काम करना होगा।'

बट ने आगे कहा कि गिलक्रिस्ट एक प्रभावशाली फिगर थे। वो बिल्कुल अलग तरह के बल्लेबाज थे। पंत को शॉट लगाने से पहले क्रीज पर सेट होना होगा। उनके पास प्लान नहीं है जो इंग्लैंड जैसी पिचों पर बेहद जरूरी है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज इस समय 1-1 से बराबर है। चौथा टेस्ट ओवल में खेला जा रहा है और दोनों की कोशिश होगी कि वो ये टेस्ट मैच जीतकर अजेय बढ़त बना लें।

# साउथ अफ्रीका को लगा तगड़ा झटका, टेंबा बावुमा इंजरी की वजह से श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से हुए बाहर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** साउथ अफ्रीका को तगड़ा झटका लगा है। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा चोट की वजह से श्रीलंका के खिलाफ बाकी सीरीज से बाहर हो गए हैं। साउथ अफ्रीका इस समय श्रीलंका के दौरे में है। गुरुवार को मेजबान श्रीलंका ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे में साउथ अफ्रीक को 14 रनों से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली है। टेंबा बावुमा के बाहर होने की वजह से बाकी वनडे में केशव महाराज साउथ अफ्रीका की टीम की कमान संभालेंगे। क्रिक बज की रिपोर्ट के मुताबिक टेंबा बावुमा के दाहिने गूठे में फ्रैक्चर आया है। इसी वजह से वो बाकी बचे मैचों में नहीं खेल पाएंगे। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे चार सितंबर को और तीसरा सात सितंबर को को होगा। वनडे सीरीज के बाद 10 सितंबर से दोनों देशों के बीच टी-20 सीरीज खेली जाएगी। पहला टी-20 मैच 10 सितंबर को, दूसरा टी-20 मैच 12 सितंबर को और तीसरा टी-20 मैच14 सितंबर को खेला जाएगा।

कल खेले गए मैच की बात करें तो श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 300 रनों का स्कोर बनाया। श्रीलंका की तरफ से अविष्का फर्नांडो ने 118 रन बनाए। उनके अलावा असालांका ने 72 और धनंजय डर सिल्वा ने 44 रनों का योगदान दिया। 301 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेहमान टीम निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 286 रन ही बना सकी। साउथ अफ्रीका की तरफ से एडेन मार्करम ने सबसे अधिक 96 रन बनाए।

## लॉर्ड्स-लीड्स के बाद ओवल में मैदान में घुसा जार्वो, लोगों ने सिक्योरिटी पर सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में इंग्लिश फैन जार्वो ने फिर से सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर मैदान में एंट्री ली। ओवल टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड की पारी के दौरान जार्वो मैदान में आ धमका। इसके बाद जार्वो को सुरक्षाकर्मी मैदान से बाहर ले गए। जार्वो का मैदान में घुसने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जार्वो इससे पहले लॉर्ड्स और लीड्स टेस्ट में भी मैदान में घुस गया था। इंग्लिश काउंटी यॉर्कशर काउंटी ने जार्वो को इस वजह से लाइफटाइम बैन कर दिया था। ओवल टेस्ट के दूसरे दिन उमेश यादव अपना 11वां ओवर फेंक रहे थे। इसी दौरान वो मैदान में आया और गेंदबाजी करने की कोशिश करने लगा। जार्वो मैदान में तेजी के साथ दौड़ता आया और इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो से टकरा गया। इस घटना के बाद लोगों ने ग्राउंड सिक्योरिटी पर सवाल उठाए।

लॉर्ड्स और हेडिंग्ले के बाद वो इस बार ओवल में आया। वो निश्चित रूप से वह मैदान में सिक्योरिटी में किसी को जानता है। मशहूर क्रिकेट एक्सपर्ट और कमेंटेटर हर्षा भोगले ने कहा,' मुझे लगता है कि इंग्लैंड के मैदान में कुछ लोगों को बर्खास्त करने की जरूरत है। यह एक बहुत ही गंभीर सुरक्षा चूक है और यह अभी भी जारी है। अब मजाक भी नहीं।' जार्वो लीड्स टेस्ट के तीसरे दिन रोहित के आउट होने के बाद बैटिंग गीयर पहनकर मैदान पर उतरा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ।

इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जार्वो भारतीय टीम की जर्सी पहनकर मैदान पर उतर गए थे। इस घटना की भी तब सोशल मीडिया में काफी चर्चा हुई थी। लॉर्ड्स के मैदान पर वह भारतीय टीम की जर्सी पहने था और टी शर्ट के पीछे उसका नाम लिखा था।

## तीरंदाजी में पहली बार पदक, अवनि ने भी रचा इतिहास

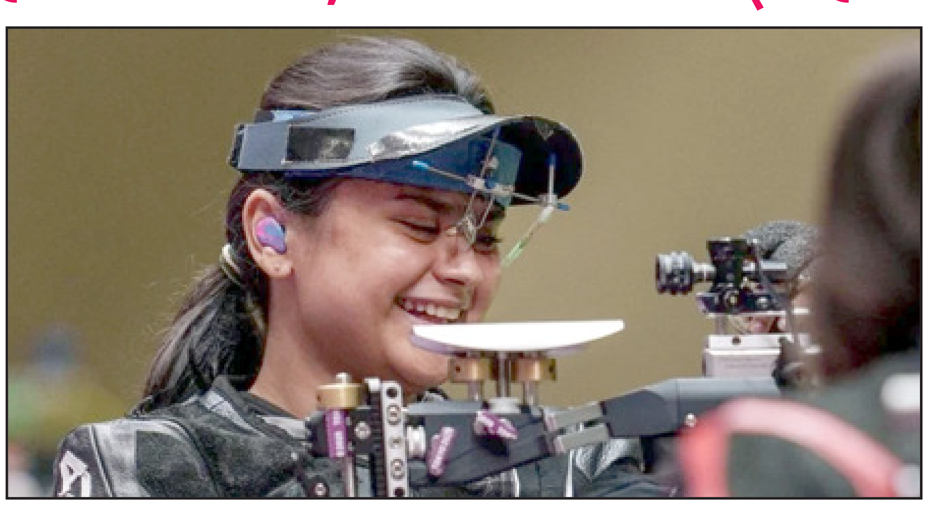

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टोक्यो में जारी पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की झोली में 10वें दिन तीन पदक आए। इसके साथ ही उसके पदकों की संख्या बढ़कर 13 पदक हो गई है जिसके बाद भारत ने अपने सर्वकालिक 12 पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इससे पहले सभी पैरालंपिक खेलों में कुल मिलाकर 12 पदक जीते थे लेकिन इस बार 10 दिन में ही उसके 13 पदक हो गए हैं। भारतीय खिलाड़ी रोज यहां नया इतिहास रच रहे हैं और पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर रहे हैं। बात करें 10वें दिन के भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की तो सबसे पहले प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता। इसके बाद निशानेबाजी में एक बार फिर से अवनि लेखरा ने पदक जीता, इस बार उन्होंने कांस्य अपनी झोली में डाला। वहीं दिन के अंत में हरविंदर सिंह ने भारत के लिए तीरंदाजी में पहली बार पदक जीता। आइए जानते हैं पदक तालिका में भारत का हाल।

भारत पदक तालिका में अब 37वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने अभी तक एथलेटिक्स में आठ, निशानेबाजी में तीन, टेबल टेनिस में एक और तीरंदाजी में एक पदक जीते हैं। भारत के खाते में दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य आए हैं। वहीं, चीन 184 पदकों (85 गोल्ड, 53 सिल्वर और 46 ब्रॉन्ज) के साथ शीर्ष पर बरकरार है। दूसरे व तीसरे नंबर पर क्रमशः ग्रेट ब्रिटेन (37 गोल्ड, 34 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज, कुल 111 पदक) और अमेरिका (34 गोल्ड, 34 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज, कुल 92 पदक) हैं।

## श्रेयस अय्यर की वापसी के बावजूद ऋषभ पंत का दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बने रहना लगभग तय

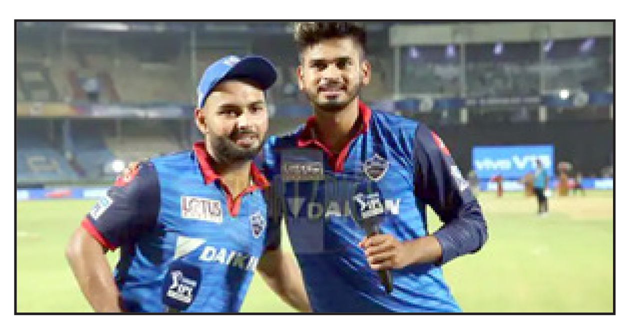

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। पहले फेज में श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में ऋषभ पंत को कप्तानी सौंपी गई थी और उनकी कप्तानी में टीम ने पहले फेज शानदार प्रदर्शन किया है। दिल्ली कैपिटल्स टीम फेज-1 में प्वॉइंट टेबल में टॉप पर है। अब ऐसे में माना जा रहा है कि दूसरे फेज में भी टीम मैनेजमेंट कप्तानी उनसे ही कराएगा। श्रेयस अय्यर कंधे की चोट के चलते पहले फेज में नहीं खेल पाए थे, लेकिन दूसरे फेज से पहले टीम से जुड़ चुके हैं। क्रिकबज के मुताबिक पंत की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने फेज-1 में जो प्रदर्शन किया है, उस लय को लेकर टीम मैनेजमेंट कोई चांस नहीं लेना चाहता है। 26 वर्षीय श्रेयस अय्यर की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2020 में उप-विजेता रही थी। टीम मैनेजमेंट ने हालांकि अभी तक कप्तानी को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पंत को कप्तान के तौर पर बनाए रखने को लेकर चर्चा जारी है। अय्यर टीम से जुड़ चुके हैं और आईपीएल 2021 के दूसरे फेज को लेकर काफी उत्साहित भी हैं।

अय्यर दिल्ली कैपिटल्स टीम के साथ फिलहाल युनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में हैं, जबकि पंत इस समय इंग्लैंड में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है और पंत इस सीरीज का हिस्सा हैं। 14 सितंबर को टेस्ट सीरीज खत्म होगी और भारतीय टीम यूएई के लिए रवाना हो जाएगी।

## हरविंदर सिंह ने कांस्य जीतकर रचा इतिहास, तीरंदाजी में भारत को दिलाया पहला पदक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की गोल्डन गर्ल अवनि लेखरा ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल की पी-3 एसएच-1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रान्ज मेडल पर निशाना साधा। अवनि ने 445.9 का स्कोर करते हुए पदक पर कब्जा करने में सफल रहीं। टोक्यो पैरालंपिक में अवनि का यह दूसरा पदक है। इससे पहले वह गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। वह भारत की पहली महिला एथलीट हैं जिन्होंने एक पैरालंपिक में दो मेडल जीते है। उनसे पहले जोगिंदर सिंह सोढ़ी इन खेलों के एक ही चरण में कई पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे। अवनि लेखरा ने इससे पहले इसी पैरालंपिक में 30 अगस्त को 10 मीटर एयर राइफल के क्लास एसएच-1 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता था। अवनि ने 21 निशानेबाजों में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल में क्वालीफाई किया था। अवनि ने स्वर्ण पदक मुकाबले में 60 सीरीज के छह शॉट के बाद 621.7 का स्कोर बनाया जो शीर्ष आठ निशानेबाजों ने सर्वश्रेष्ठ था। वहीं कांस्य पदक जीतने के बाद अवनि लेखरा ने कहा, मुझे बहुत खुशी हो रही है। इसपर विश्वास नहीं हो रहा है। पूरे भारत का बहुत सपोर्ट रहा है। पूरी भारतीय टीम, कोच और स्टाफ की आभारी हूं।

टोक्यो पैरालंपिक में अवनि लेखरा के कांस्य पदक जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर बधाई संदेश में लिखा, टोक्यो पैरालंपिक में अवनि लेखरा के शानदार प्रदर्शन से उत्साहित अधिक गौरवशाली क्षण, अवनि को कांस्य पदक जीतने पर बधाई, उन्हें भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चीन की कुलपिंग झांग ने जीता जिन्होंने 457.9 का स्कोर किया। जर्मनी की नतास्चा हिलट्रोप ने 457.1 अंकों के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहीं। कुल मिलाकर भारत ने दिन का दूसरा पदक अपने नाम किया। अवनि से पहले प्रवीण कुमार ने पुरुष ऊंची कूद टी-64 इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। भारत टोक्यो पैरालंपिक में अब तक 12 पदक जीत चुका है जिनमें दो स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

# बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलः भारतीय हॉकी टीम के भाग लेने की संभावना कम, बत्रा ने बताया कारण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जबरदस्त प्रदर्शन कर सभी का दिल जीता। टोक्यो में पुरुष और महिला दोनों ही टीमों ने यादगार प्रदर्शन किया। पुरुषों ने 41 साल बाद जहां पदक जीता तो वहीं महिला टीम पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची। अब भारतीय हॉकी टीम की निगाह तीन साल बाद होने वाले पेरिस ओलंपिक और उसके क्वालीफ़ायर पर है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीम के बर्मिंघम में अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने की संभावना बेहद कम है। ऐसा इसलिए क्योंकि टीम तब एशियाई खेलों के दौरान अपनी शीर्ष फार्म में रहना चाहेंगी जो 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट है।

बत्रा ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को यहां एक औपचारिक बैठक के दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान को इस बात से अवगत करा दिया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के प्रमुख और हॉकी इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बत्रा ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम की प्राथमिकता एशियाई खेलों में अपने शिखर (लय और फिटनेस) पर पहुंचना है, जो राष्ट्रमंडल खेलों के ठीक 35 दिन बाद शुरू होगा। गौरतलब है कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होना है जबकि एशियाई खेलों की मेजबानी चीन का हांग्जो 10 से 15 सितंबर तक करेगा।

हॉकी इंडिया में प्रभुत्व रखने वाले बत्रा ने यहां जारी बयान में बताया, 'हॉकी इंडिया के साथ मेरी प्रारंभिक चर्चा के आधार पर अब इस बात की संभावना कम है कि भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में भाग लेगी। हॉकी इंडिया यह नहीं चाहेगा कि उसके खिलाड़ी एशियाई खेलों 2022 से 35 दिन पहले अपने खेल के शीर्ष पर पहुंचे। उसकी कोशिश होगी की खिलाड़ियों की लय और फिटनेस एशियाई खेलों के समय शीर्ष पर रहे।' उन्होंने कहा, '2022 में राष्ट्रमंडल खेल चीन में एशियाई खेलों से ठीक 35 दिन पहले हैं और हॉकी में एशियाई खेलों का विजेता सीधे 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेगा।

## राजीव गांधी नहीं, फील्ड मार्शल करियप्पा के नाम हो नेशनल पार्क, बीजेपी सांसद का कर्नाटक के सीएम को खत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कर्नाटक में भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने राजीव गांधी नागरहोल नेशनल पार्क का नाम बदलने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए कर्नाटक के वन मंत्री उमेश वी कट्टी को खत लिखा है। प्रताप सिम्हा ने पार्क का नाम फील्ड मार्शल करियप्पा के नाम पर करने का सुझाव दिया है। उन्होंने लिखा है कि इस पार्क का नाम एफएम केएम करियप्पा नागरहोल नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व कर दिया जाए। यह आर्मी में रहते हुए उनकी देशसेवा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भाजपा सांसद ने अपने पत्र में लिखा है कि जब आप किसी शहर, जगह या सड़क का नाम रखते हैं तो उसकी कुछ महत्ता होनी चाहिए। राजीव गांधी का नागरहोल नेशनल पार्क से क्या लेना-देना? इसलिए मैंने फील्ड मार्शल करियप्पा का नाम सुझाया है। वह देश के सबसे बेहतरीन आर्मी अफसर थे। फील्ड मार्शल करियप्पा भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ थे। वह कोडागु के ऐसे बेटे थे, जिन पर आज भी सभी को गर्व है। उन्हें यहां से प्यार था। वह जब रिटायर हुए तो रहने के लिए यहीं वापस आए। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि गांधी-नेहरू परिवार के नाम पर ही सबकुछ करने की क्या जरूरत है? गौरतलब है कि इससे पूर्व कोडागु जिले के रहने वाले नवीन माडप्पा और विनय कायपांडा ने नागरहोल राजीव गांधी नेशनल पार्क का नाम बदलने के लिए ऑनलाइन पेटिशन साइन कराई थी। इन्होंने अपनी पेटिशन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय, और सांसद प्रताप सिम्हा को टैग कर रखा था। इन दोनों ने भी प्रस्ताव दिया था कि नेशनल पार्क का नाम बदलकर फील्ड मार्शल केएम करियप्पा के नाम पर कर दिया जाए। उनका कहना था कि इस कदम से इस जिले से ताल्लुक रखने वाले फील्ड मार्शल का सम्मान बढ़ेगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चेंज डॉट ओआरजी पर चलाई जा रही इस पेटिशन पर हजारों लोगों ने सिग्नेचर कर अपना समर्थन दिया था।

# दुर्गा पूजा के पंडाल में लगेगी 'ममता देवी' की मूर्ति

## हाथों में शस्त्र की बजाय होंगी स्कीमें, बीजेपी ने बोला हमला

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की मूर्ति को दुर्गा पूजा पंडाल में लगाए जाने के फैसले से विवाद खड़ा हो गया है। ममता बनर्जी की मूर्ति लगाए जाने का बीजेपी ने विरोध करते हुए कहा है कि यह घृणास्पद है और राज्य के हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला है।

मशहूर मूर्तिकार मिंटू पाल दुर्गा की फायबर ग्लास की मूर्ति बना रहे हैं। इसे उन्होंने सीएम ममता बनर्जी जैसी ही साड़ी का कलर दिया है और पैरों में उनके जैसे ही चप्पल पहनाए हैं। मिंटू पाल ने कहा कि मैंने इसे बनाने के लिए सीएम ममता बनर्जी की कई तस्वीरों और वीडियोज को देखा है। उनके चलने, बात करने के अंदाज और ड्रेसिंग के आधार पर ही मैंने देवी की यह प्रतिमा बनाई है। इस मूर्ति में ममता बनर्जी को दुर्गा देवी के तौर पर दिखाया गया है और उनके 10 हाथ दिखाए जाएंगे। इन हाथों में दुर्गा देवी की तरह शस्त्र नहीं बल्कि कन्याश्री, स्वास्थ्य साथी, रूपाश्री जैसी स्कीमें होंगी। दुर्गापूजा के आयोजकों का कहना है कि वे इस मूर्ति के जरिए बताना चाहते हैं कि ममता बनर्जी ने लोगों के कल्याण के लिए कितनी स्कीमें शुरू की हैं।

इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है और बीजेपी ने इसे उनका अहंकार बताया है। नंदीग्राम सीट से ममता बनर्जी को मात देने वाले शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि इससे पता चलता है कि उनका अहंकार कितना हो गया है।

बीजेपी की आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने ट्वीट किया, 'बंगाल में चुनाव के बाद जघन्य हिंसा के बाद ममता बनर्जी को देवी सदृश्य दिखाना घृणा पैदा करने वाला है क्योंकि उनके हाथ निर्दोष बंगालियों के खून से सने हैं। यह देवी दुर्गा का अपमान है। ममता बनर्जी को इसे रोकना चाहिए। वह बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं को आहत कर रही हैं।' नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा, 'जब कोई केवल आपको खुश करने के लिए आपको भगवान के समान बताने की कोशिश करता है और आपकी चुप्पी सहमति का इशारा करती है तो इसका मतलब है कि आपका अहंकार ऐसे स्तर तक पहुंच गया है, जहां विवेक इसकी जवाबदेही नहीं ठहरा सकता। शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित केश्टोपुर की उन्नयन समिति क्लब द्वारा पूजा के एक आयोजक ने कहा, 'पूरे पंडाल की थीम लक्ष्मी भंडार की होगी।

## वॉट्सऐप पर अपमानजनक मैसेज भेजने वाले सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल की याचिका खारिज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट ने एक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक कॉन्स्टेबल को फिर से नौकरी पर बहाल करने से इनकार कर दिया, जिसे अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई थी। हाईकोर्ट ने पाया कि कॉन्स्टेबल ने एक अधिकारी को बदनाम करने के इरादे से 200 अन्य कर्मचारियों को एक आपत्तिजनक वॉट्सऐप मैसेज भेजा था। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने कॉन्स्टेबल की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि उसका यह कहना कि उच्च अधिकारियों को सूचना देने के इरादे से मैसेज भेजा गया था, तथ्यों के विपरीत है। याचिकाकर्ता कॉन्स्टेबल ने जो मैसेज भेजा था उसके मुताबिक, एक कंपनी कमांडर किसी वेश्या के साथ होटल के कमरे में थे। बेंच ने एक सितंबर को सुनाए गए आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने एसी (नाम उजागर नहीं किया गया) का नाम और उनकी छवि खराब करने के उद्देश्य से तथ्यों की जांच किये बगैर और सत्य का पता लगाने के लिए उच्च अधिकारियों से पूछे बिना वॉट्सएप संदेश को सीआरपीएफ के दो सौ कर्मचारियों को भेजा था।हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने एक वॉट्सऐप ग्रुप में मैसेज भेजा था जिसमें सीआरपीएफ के दो सौ कर्मचारी सदस्य थे और कॉन्स्टेबल उसका 'एडमिनिस्ट्रेटर था। कॉन्स्टेबल ने संदेश के साथ एक फोटो भी भेजा था जो इंटरनेट की गति कम होने के कारण अपलोड नहीं हो पाया था। हाईकोर्ट ने कहा कि दो सौ कर्मचारियों को मैसेज भेजने के बाद याचिकाकर्ता ने संबंधित डीआईजी (ऑपरेशन्स) को मैसेज भेजा। इसके साथ ही अदालत ने कॉन्स्टेबल की याचिका खारिज कर दी।

'पंज प्यारे' वाली गलती पर कांग्रेस नेता हरीश रावत ने यूं किया प्रायश्चित

# गुरुद्वारे में लगाई झाडू और साफ किए जूते

**देहरादून (एजेंसी)।** पंजाब में कांग्रेस नेतृत्व को 'पंज प्यारे' कहकर गलती स्वीकार करने वाले ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी (ंिघ्ण्ण्) के महासचिव हरीश रावत ने शुक्रवार को गुरुद्वारे में झाडू लगाया और लोगों के जूते साफ कर प्रायश्चित किया। उन्होंने पहले ही माफी मांग ली थी और गुरुद्वारे में सफाई की बात कही थी। रावत ने उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में खटिमा के पास नानकमत्ता गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं के जूते साफ किए।रावत ने मंगलवार को चंड़ीगढ़ में पंजाब कांग्रेस भवन में हुई बैठक के बाद पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष और उनके चार कार्यकारी अध्यक्षों के लिए 'पंज प्यारे' शब्द का इस्तेमाल किया था। सिख परंपरा में 'पंज प्यारे संबोधन गुरु के पांच प्यारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह और उनके पांच अनुयायियों से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

बुधवार को अपने फेसबुक पेज पर रावत ने 'पंज प्यारे' टिप्पणी के लिए गलती स्वीकार की। रावत ने लिखा, ''कभी कभी सम्मान जाहिर करने के लिए आप ऐसे शब्द का इस्तेमाल कर जाते हैं जिन पर आपत्ति उठ सकती है। मैंने भी अपने माननीय अध्यक्ष और चार कार्यकारी अध्यक्षों के लिए 'पंज प्यारे शब्द का इस्तेमाल कर गलती की है। रावत ने कहा कि वह देश के इतिहास के छात्र रहे हैं और पंज प्यारों के अग्रणी स्थान की किसी और से तुलना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''मुझसे यह गलती हुई है, मैं लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए क्षमा प्रार्थी हूं।'' रावत कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने राज्य उत्तराखंड में गुरद्वारे में सफाई कर अपनी इस गलती का प्रायश्चित करेंगे। रावत ने कहा कि सिख धर्म और इसकी महान परंपराओं के प्रति उनमें हमेशा समर्पण और सम्मान की भावना रही है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने रावत की टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी और इसके लिए माफी की मांग की थी। शिअद नेता दलजीत सिंह चीमा ने रावत की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की थी और मांग की थी कि लोगों की भावनाओं को आहत करने के लिए राज्य सरकार को उनके खिलाफ मामला दर्ज करना चाहिए।

## यूएन दफ्तर के बाहर अफगान नागरिकों के प्रदर्शन पर दिल्ली हाईकोर्ट चिंतित, पूछा- बिना इजाजत कैसे जमा हो सकते हैं 500 लोग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार और पुलिस को निर्देश दिया है कि यहां संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे और शरणार्थी का दर्जा चाह रहे अफगान नागरिकों की संख्या उचित तरीके से कम की जाए और सुनिश्चित किया जाए कि वे कोविड-19 नियमों का कड़ाई से पालन करें। हाईकोर्ट ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है। उसने अधिकारियों से पूछा कि प्रदर्शन के लिए 500 लोग कैसे जमा हो सकते हैं, जबकि दिशानिर्देशों में इसकी अनुमति नहीं है।

# 'ऐसे तो तीसरी लहर भी खत्म हो जाएगी और गाइडलाइंस नहीं बना पाएंगी' इस मामले को लेकर केंद्र पर सख्त हुई सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 'हम पहले भी आदेश दे चुके हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई काम नहीं हुआ। यही स्थिति रही तो तीसरी लहर भी खत्म हो जाएगी और आप गाइडलाइंस नहीं बना पाएंगे।' यह बात सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से कही। कोर्ट ने कोरोना से मृत लोगों के डेथ सर्टिफिकेट के संबंध में केंद्र सरकार से गाइडलाइंस बनाने को कहा है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की दो जजों की बेंच ने इस संबंध में 11 सितंबर तक कोर्ट में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। बेंच ने कहा कि हमने इस संबंध में काफी पहले ही ऑर्डर दिया था। एक बार इसकी समय-सीमा भी बढ़ा चुके हैं। जब तक आप गाइडलाइन बनाएंगे तब तक तीसरी लहर भी खत्म हो चुकी होगी। इसके जरिए कोर्ट अपने 30 जून के फैसले का हवाला दे रही थी। इस फैसले में कोर्ट ने आदेश दिया था कि कोरोना डेथ सर्टिफिकेट जारी करने से संबंधित गाइडलाइंस को आसान बनाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा था कि डेथ सर्टिफिकेट पर स्पष्ट रूप से लिखा जाए कि 'कोविड-19 से मौत' ताकि मृतक आश्रितों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। मामले में केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने शीर्ष कोर्ट को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी चीजों पर विचार किया जा रहा है। वहीं याचिकार्ता एडवोकेट गौरव कुमार बंसल ने कहा कि विचार करने के नाम पर देरी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पहले ही 16 अगस्त को 4 से 6 हफ्तों की मोहलत दी जा चुकी है। अब केंद्र फिर से एक बार मोहलत मांग रहा है। वहीं कुछ अन्य मामलों के लिए पेश होने वाले एडवोकेट सुमीर सोढ़ी ने कहा कि 30 जून को मिली मोहलत 8 सितंबर को खत्म हो रही है। इस पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने केंद्र से 13 सितंबर तक रिपोर्ट पेश करने को कहा।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़े अपने शुरुआती आदेश में नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) को गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए थे।

## बाढ़ को लेकर अखिलेश का भाजपा पर निशाना, बोले-जनता बेहाल, यूपी सरकार प्रचार उत्सव में व्यस्त

**लखनऊ (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बाढ़ की विभीषिका में फंसे लोग जान-माल की गुहार लगा रहे हैं। पर, भाजपा सरकार को इधर देखने की फुर्सत नहीं है, वह आए दिन अपने प्रचार उत्सवों के आयोजन में व्यस्त है। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि गोरखपुर के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। छह प्रमुख नदियां यहां उफान पर हैं। यहां भरवलिया-बसावनपुर रिंग बांध टूट गया है। गोरखपुर-वाराणसी, सोनौली, गोरखपुर-लखनऊ जोड़ने वाली सड़कों पर यातायात बाधित है। कई तटबंध टूट फूट गए हैं। आमी नदी का पानी इंडियन आयल कारपोरेशन के बाटलिंग प्लांट में पानी भर जाने से प्लांट बंद हो गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता बाढ़ के प्रकोप से त्राहि-त्राहि कर रही है। भाजपा सरकार ने बाढ़ के हालात पर कोई गम्भीरता नहीं दिखाई है। राहत कार्य अभी तक नहीं चल रहे हैं। बाढ़गस्त इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की सुचारू व्यवस्था नहीं है। कई जिलों मे ज्वर और दूसरी बीमारियां भी फैल रही है जिनके इलाज के लिए कोई चिकित्सीय मदद नहीं मिल रही है। सब कुछ भगवान भरोसे है। ठीक उसी तरह जैसे कोरोना पीड़ितों की भाजपा ने कोई सुध नहीं ली थी। भाजपा सरकार पूर्णतया संवेदनशून्य है। जनता ने इसलिए तय कर लिया है कि सन् 2022 में अब वह भाजपा की किसी चाल में न फंसकर सपा को ही विजयी बनाएंगे।

# दिल्ली दंगे : हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल की हत्या मामले में 5 को जमानत, कोर्ट ने कहा- विरोध और असहमति जताने का अधिकार मौलिक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली हिंसा के दौरान हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल की हत्या के मामले के साथ-साथ एक डीसीपी को घायल करने के मामले में 5 आरोपियों को शुक्रवार को जमानत दे दी। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने आदेश पारित करते हुए कहा कि अदालत की राय है कि याचिकाकर्ताओं को लंबे समय तक सलाखों के पीछे नहीं रखा जा सकता है और उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता का परीक्षण ट्रायल के दौरान भी किया जा सकता है।

हाईकोर्ट ने महिला सहित पांच आरोपियों को जमानत देते हुए शुक्रवार को कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और असहमति जताने का अधिकार मौलिक है। कोर्ट ने कहा कि इस विरोध करने अधिकार का इस्तेमाल करने वालों को कैद करने के लिए इस कृत्य का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह सुनिश्चित करना अदालत का संवैधानिक कर्तव्य है कि राज्य की अतिरिक्त शक्ति की स्थिति में लोगों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता से मनमाने ढंग से वंचित नहीं किया जाए। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने पांच अलग-अलग फैसलों में आरोपियों- मोहम्मद आरिफ, शादाब अहमद, फुरकान, सुवलीन और तबस्सुम को जमानत दे दी। आरोपी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल की हत्या के लिए केस का सामना कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि विरोध करने और असहमति जताने का अधिकार एक ऐसा अधिकार है, जो लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था में मौलिक दर्जा रखता है इसलिए विरोध करने के एकमात्र कार्य को उन लोगों की कैद को सही ठहराने के लिए एक हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, जिन्होंने इस अधिकार का प्रयोग किया है। अदालत ने कहा कि हालांकि सार्वजनिक गवाहों और पुलिस अधिकारियों के बयानों की निश्चितता और सत्यता को इस चरण में नहीं देखा जाना चाहिए और यह सुनवाई का मामला है, लेकिन इस अदालत की राय है कि यह याचिकाकर्ताओं के लगातार कारावास को सही ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। अदालत ने कहा कि विचारणीय मुद्दा यह है कि क्या जब किसी गैरकानूनी भीड़ द्वारा हत्या का अपराध किया गया तो इस भीड़ में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को जमानत से वंचित किया जाना चाहिए।

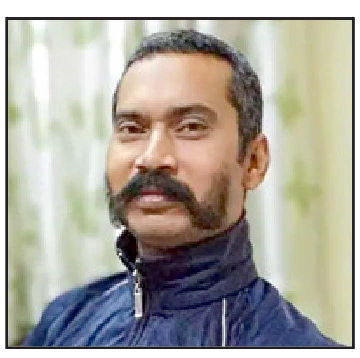

अदालत ने कहा कि जमानत नियम और जेल अपवाद है तथा सुप्रीम कोर्ट ने कई बार यह कहा है कि अदालतों को 'स्पेक्ट्रम के दोनों छोरों तक जागरूक रहने की जरूरत है, यानी यह सुनिश्चित करना अदालतों का कर्तव्य है कि आपराधिक कानून को उचित तरीके से लागू किया जाए तथा कानून लक्षित उत्पीड़न का कोई औजार नहीं बने। गौरतलब है कि नागरिकता कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच संघर्ष के बाद 24 फरवरी 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद, मौजपुर, बाबरपुर, घोंडा, चांदबाग, शिव विहार, भजनपुरा, यमुना विहार इलाकों में साम्प्रदायिक दंगे भड़क गए थे। इस हिंसा में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे।

## पंजशीर में लड़ाई से परेशान हुए पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई, कहा- बातचीत से हल निकालिए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तालिबान ने काबुल सहित पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है सिवाय पंजशीर घाटी के। अहमद मसूद के साथ वार्ता विफल होने के बाद पंजशीर में तालिबान और नॉर्दर्न एलायंस के बीच लड़ाई जारी है। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने दोनों पक्षों से युद्ध रोकने की अपील की है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा है कि तालिबान और नॉर्दर्न एलायंस के बीच लड़ाई के नतीजे देश के हित में नहीं है। इस लड़ाई से अफगानिस्तान के लोगों का नुकसान है। मुझे उम्मीद है कि दोनों पक्ष बातचीत करके मसलों को सुलझा सकते हैं। लड़ाई। तालिबान का दावा है कि उसने घाटी को घेर लिया है।

**अंखड भारत संदेश** के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

**मुद्रक/प्रकाशक**

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

# जीत नहीं पा रहा तो इस तरह पंजशीर से पार पाने की कोशिश में जुटा तालिबान, अमरुल्लाह साहेल का दावा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तालिबान ने पंजशीर घाटी में दवा समेत अन्य जरूरी चीजों की सप्लाई पर रोक लगा दी है। तालिबान विरोधी नेता अमरुल्लाह सालेह ने शुक्रवार को यह दावा किया। एक तरफ काबुल में तालिबान मुल्ला बरादर के नेतृत्व में नई सरकार के गठन की तैयारी में जुटा है। वहीं दूसरी तरफ पंजशीर घाटी में रेजिस्टेंस फोर्सेज उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। बताया जाता है कि यहां पर युद्ध के हालात ऐसे हैं कि आम लोग यहां से भागने पर मजबूर हैं। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि सालेह भी यहां से भागकर ताजिकिस्तान चले गए हैं। इस बीच अमरुल्लाह सालेह ने ट्वीट किया है कि तालिबान ने पंजशीर में दवाओं की सप्लाई पर रोक लगा दी है। साथ ही उसने यहां पर बिजली भी बंद कर दी है। इसके अलावा यात्रियों के प्रति भी गलत बर्ताव किया जा रहा है। लोगों को कुछ ही पैसे लेकर यात्रा करने की इजाजत है। सालेह ने लिखा है कि तालिबान यहां पर युद्ध अपराध को अंजाम दे रहे हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मूल्यों को जरा सी भी तरजीह नहीं दे रहे हैं। सालेह ने इस मामले में संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक नेताओं से सहयोग की अपील की है। गौरतलब है कि पंजशीर घाटी को फतह करने में तालिबान को सफलता नहीं मिल सकी है।

पंजशीर घाटी में अहमद मसूद और अमरुल्लाह सालेह के नेतृत्व में रेजिस्टेंस फोर्सेज यहां तालिबान को कड़ी टक्कर दे रही हैं। दोनों के बीच लड़ाई का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। इसको देखते हुए अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने दोनों पक्षों से लड़ाई बंद करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस लड़ाई से न तो अफगानिस्तान और न ही यहां के लोगों का कोई भला होने वाला है। उधर तालिबान और रेजिस्टेंस फोर्सेज दोनों ही जीत का दावा कर रही हैं, जबकि यहां पर मारे जाने वालों की संख्या का भी पता नहीं चल पा रहा है।

## तालिबान की मदद के बिना न निकाल पाते 15 हजार लोग, हम बात करने को तैयार : ब्रिटेन

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** अफगानिस्तान में तालिबान के राज को लेकर ब्रिटेन के रुख में बड़ा बदलाव आया है। ब्रिटिश विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने शुक्रवार को कहा कि हम तालिबान की सरकार को मान्यता नहीं देंगे। लेकिन नई हकीकतों का सामना करने के लिए हम तैयार हैं [illegible] अफगानिस्तान को सामाजिक और आर्थिक रूप से टूटा हुआ नहीं देखना चाहते। पाकिस्तान के अपने दौरे में डोमिनिक राब ने कहा कि काबुल से 15,000 लोगों को निकाल पाना संभव नहीं होता, यदि तालिबान सहयोग नहीं करता। तालिबान ने 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जा जमा लिया था। ब्रिटिश विदेश मंत्री ने कहा कि हम इस सरकार को मान्यता नहीं देंगे। इसके साथ ही ब्रिटिश मंत्री ने कहा कि हम सरकारों की बजाय देश को मान्यता देते हैं। राब ने कहा कि हम सीधे डायलॉग करने और संपर्क को महत्व देते हैं। राब का कॉमेंट यह बताता है कि किस तरह से ब्रिटेन और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की राय तालिबान के शासन को लेकर बदल रही है। काबुल में तालिबान का शासन स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका समेत कई देशों के सुर बदले हुए दिख रहे हैं।